Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

नये भारत की नई सोच

RNI NO. UPHIN/2018/76874

वर्ष: 07 अंक: 201 | गुरुवार, 30 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

लोकसभा से पास हुआ एंटी पेपर लिक बिल

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर हंगामा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में एंटी पेपर लिक बिल पास हो गया है। ध्वनि मत से यह बिल लोकसभा में पास हुआ है। इस बिल पर मानसून सत्र के दौरान लंबी चर्चा हुई। आज लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी भाषण दिया और सरकार पर निशाना साधा। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सदन में एंटी पेपर बिल के पास होने का ऐलान किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में राहुल गांधी के बयान पर हंगामा मच गया। राहुल गांधी ने लोकसभा में बयान दिया कि गृह मंत्री अमित शाह ने पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। इस बयान पर बीजेपी सांसदों ने राहुल गांधी से माफी की मांग की। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह आदेश सिर्फ मजिस्ट्रेट या एसडीएम ही दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता को नहीं पता कि प्रशासन कैसे कम करता है। किसी भी स्थिति में गोली चलाने का आदेश सिर्फ मजिस्ट्रेट दे सकता है, कोई मंत्री नहीं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी के बयान पर कहा, 'विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बेबुनियाद और झूठा बयान सदन में दिया। कोई फायरिंग नहीं हुई है। ऐसे झूठे आरोप लगाने की मैं घोर निंदा करता हूं। राहुल गांधी के पास बोलने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने बिल के बारे में कुछ नहीं कहा। चर्चा से संबंधित वे एक शब्द नहीं बोल पाए, सरकार ने बच्चों की चिंता की और संवेदनशीलता के साथ व्यवहार किया। उन्हें अपने झूठे आरोपों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।'

जितेंद्र सिंह ने राहुल पर साधा निशाना

लोकसभा में बिल पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा इतने अहम बिल पर चर्चा हो रही है तो इस पर राजनीति की जा रही है। उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने आज असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया और वह हैरान करने वाली बात है। जितेंद्र सिंह ने राहुल गांधी के प्रधानमंत्री आवास के सामने प्रदर्शन करने पर कहा, '21 जुलाई को राहुल गांधी किसी खास सोच के चलते प्रधानमंत्री आवास के बाहर बैठ गए थे. ऐसा लग रहा था कि उनकी इच्छा थी कि देश उन्हें पीएम आवास में बिठाए। राहुल गांधी को समझाया गया कि ऐसा व्यवहार उनके कद के अनुरूप नहीं है तो उन्होंने जवाब दिया उन्हें बस वहां से हटा दिया जाए।'

गुरु पूर्णिमा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गोरखपुर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार सुबह नाथ संप्रदाय की परंपराओं के अनुसार भगवान शिव का अवतार माने जाने वाले महायोगी गुरु गोरखनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की। राज्य सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, आदित्यनाथ ने अपने गुरु महंत अवैद्यनाथ, दादागुरु महंत दिग्विजयनाथ, योगीराज बाबा गंभीरनाथ और नाथ परंपरा के सभी गुरुओं की भी विधिवत पूजा-अर्चना की। बयान के अनुसार, गोरक्षपीठाधीश्वर ने गुरु गोरखनाथ और नाथ संप्रदाय के सभी गुरुओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए जनकल्याण के लिए उनके मार्गदर्शन के प्रति आभार जताया।

गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा की विशेष पूजा-अर्चना बुधवार तड़के शुरू हुई और सामूहिक आरती के साथ संपन्न हुई। आदित्यनाथ ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सबसे पहले नाथ परंपरा के आदिगुरु भगवान गोरखनाथ के दरबार में नमन किया और फिर विशेष पूजा-अर्चना की।

इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित सभी देवी-देवताओं के मंदिरों में पूजा-अर्चना की। उन्होंने योगीराज बाबा गंभीरनाथ, महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवैद्यनाथ और अन्य दिवंगत गुरुओं की समाधियों पर भी पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया। बयान के मुताबिक, पूजा-अर्चना संपन्न होने के बाद गुरु पूर्णिमा की पारंपरिक सामूहिक आरती की गई।

सिख धर्म में योग की जगह नहीं, जिसको करना, घर में करे...अकाल तख्त का फरमान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। गुरुद्वारे में योग करने को लेकर अकाल तख्त की ओर से एक अहम बयान जारी किया गया है। अकाल तख्त के कार्यवाहक जठेदार कुलदीप सिंह गर्गज ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि सिख धर्म में योग के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने सभी गुरुद्वारा प्रबंधकों को यह सलाह दी है कि वे लंगर और दीवान हॉल सहित गुरुद्वारा परिसर के भीतर योग सत्र आयोजित करने की अनुमति ना दें। मंजी साहिब दीवान हॉल में सुबह की सभा को संबोधित करते हुए जत्थेदार गर्गज ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि हाल ही में कुछ सिख युवाओं ने उनसे संपर्क कर इस बारे में चिंता जाहिर की कि कुछ गुरुद्वारों में योग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। जहां लोग विभिन्न आसन और श्वास लेने के व्यायाम यानी ब्रीदिंग एक्सरसाइजेज कर रहे हैं। जहां इस बयान के बाद चर्चा तेज हो गई। सवाल उठे कि आखिर योग से क्या आपत्ति है? तो इस बारे में सिख दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए जत्थेदार ने कई अहम बातें बताई। उन्होंने कहा योग का शाब्दिक अर्थ भगवान से जुड़ना है। लेकिन आज के समय में जो आमतौर पर किया जा रहा है वह सिर्फ शारीरिक व्यायाम है। अगर कोई घर पर व्यायाम करना चाहता है तो इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन गुरुद्वारों के अंदर योग सत्र आयोजित करना और लंगर या दीवान हॉल में लोगों से शारीरिक आसन करवाना सिख सिद्धांतों के बिल्कुल भी अनुरूप नहीं है। जत्थेदार ने इस बात पर जोर दिया कि गुरुओं ने गुरुद्वारे की स्थापना इसीलिए की ताकि श्रद्धालु गुरु और शब्द से जुड़ सके। एक सिख के लिए गुरु से बढ़कर कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा गुरुणी में डूबने की बजाय भोलेभाले लोग गुरुद्वारों के अंदर योग प्रथाओं की ओर आकर्षित हो रहे हैं। सिखों की मीरी-पीरी की अवधारणा का ज़िक्र करते हुए गर्गज ने कहा कि गुरु ने सिखों को दुनियादारी और आध्यात्मिकता, दोनों की ज़िम्मेदारी निभाने का सिद्धांत दिया था और इसे दो तलवारें पहनकर दिखाया था। उन्होंने आगे कहा कि सिखों को 'शस्त्र विद्या (युद्ध-कला की परंपरा) भी सिखाई जाती थी और इन शिक्षाओं को छोड़कर गुरुद्वारों के अंदर योग करने का काम गुरु की शिक्षाओं के खिलाफ (मनमत) है।

सरकार को शर्म आनी चाहिए..., सीजेपी के अभिजीत दिपके की चेतावनी, छात्रों पर कार्रवाई नहीं रुकी तो फिर होगा देशव्यापी आंदोलन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने बुधवार को छात्र प्रदर्शनकारियों के साथ सरकार के बर्ताव की आलोचना की और चेतावनी दी कि अगर केंद्र के पिछले आश्वासनों के बावजूद उनके खिलाफ कार्रवाई जारी रही, तो देशव्यापी आंदोलन फिर से शुरू हो सकता है। दिल्ली एयरपोर्ट के बाहर अठक से बात करते हुए, दिपके ने NEET-UG 2026 पेपर लीक के खिलाफ विरोध कर रहे छात्रों पर अधिकारियों द्वारा जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने अपना रवैया नहीं बदला, तो बीजेपी जल्द ही फिर से लामबंद होगा। दिपके ने कहा कि सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए। ये वे छात्र थे जो अपने भविष्य और अपने अधिकारों के लिए विरोध कर रहे थे। उन्हें ऐसा करने में कोई मजा नहीं आ रहा था। 20 जुलाई को उन्हें लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा। अगर इतना खून-खराबा होने के बाद भी सरकार का लालच खत्म नहीं होता और वे इसी तरह छात्रों को परेशान करते रहे, तो हम फिर से सड़कों पर उतरेंगे, और जल्द ही उतरेंगे। छात्रों पर पैलेट गन का इस्तेमाल ऐसे किया जा रहा है जैसे वे आतंकवादी हों? उन्हें शर्म आनी चाहिए! क्या वे आतंकवादी थे? अमित शाह और नरेंद्र मोदी को शर्म आनी चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या उखढ कोई और विरोध प्रदर्शन शुरू करने की योजना बना रहा है, तो दिपके ने जवाब दिया कि हम बहुत जल्द ऐसा करेंगे। अगर सरकार नहीं मानती है और अपना रवैया नहीं बदलती है, तो हमें ऐसा करना ही होगा।

शाह को पद से हटाना होगा, गोली चलाने के मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो जांच : राहुल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को छात्रों पर गोली चलाने का आदेश देने के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनको पद से हटाने की मांग की और कहा कि इस पूरे प्रकरण की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच कराई जानी चाहिए। श्री गांधी ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने 25 जुलाई को श्री शाह को पत्र लिखकर पूछा था कि छात्रों पर पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया और प्रदर्शन के दौरान सादी वर्दी में मौजूद लोग कौन थे लेकिन अब तक

कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि उनके पास पैलेट गन के इस्तेमाल के प्रमाण, तस्वीरें और घायल छात्रों के चिकित्सीय दस्तावेज हैं तथा इन्हीं के आधार पर छात्रों को न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ी जाएगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने बर्बरता की।

हरियाणा के नूंह में जीवित समाधि का करतब दिखाते समय 27 वर्षीय युवक की दम घुटने से मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गुरुग्राम। हरियाणा के नूंह जिले में पारंपरिक ग्रामीण सर्कस दल के 27 वर्षीय युवक की जीवित समाधि के करतब के दौरान कथित रूप से दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस करतब में युवक को तीन दिन तक बोरे में जिंदा बंद रहने के बाद बाहर निकलना होता था। पुलिस ने कहा कि युवक पहले कई बार इसे अंजाम दे चुका था, लेकिन इस बार के करतब (स्टंट) के दौरान हुई गड़बड़ी से उसकी जान चली गई। फरीदाबाद के गौंची गांव के निवासी दीपक को जब उनके साथियों ने बोरे

से बाहर निकाला तो वह अचेत थे। जीवित समाधि करतब के तहत दीपक को बोरे में बंद करने के बाद एक गड्ढे में रख उसे मिट्टी से ढंक दिया गया था। जीवित समाधि नाम का यह करतब ग्रामीण क्षेत्रों में बेहद लोकप्रिय है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि दीपक को 23 जुलाई को गड्ढे में उतारा गया था और अंदर ही दम घुटने से उसकी मौत हो गई।

जयराम रमेश ने नीप को 'नागपुर एजुकेशन पॉलिसी' कहा, बिना संसदीय चर्चा लागू करने का आरोप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सीनियर कांग्रेस नेता और सांसद जयराम रमेश ने 31 जनवरी, 2026 को नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP) 2020 की छठी सालगिरह पर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने इसे नागपुर एजुकेशन पॉलिसी कहा और आरोप लगाया कि इसे बिना संसदीय चर्चा के लागू किया गया था।

पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि आज मोदी सरकार द्वारा 29 जुलाई, 2020 को NEP (नई शिक्षा नीति) को अपनाए जाने की छठी सालगिरह है। NEP 2020 पर संसद में कभी

चर्चा नहीं हुई और न ही इसे शिक्षा के केंद्रीय सलाहकार बोर्ड से मंजूरी मिली।

उन्होंने सरकार पर ठएढ के तहत अहम रेगुलेटरी बॉडीज और पहलों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज NEP की नींव हिल गई है। NTA की साख पूरी तरह खत्म हो चुकी है। जो पूर्व मंत्री इसके सबसे बड़े प्रचारक थे और जिन्होंने राज्य सरकारों पर ठएढ लागू करने के लिए जबरदस्ती दबाव डाला था, उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान' का मामला संसद की एक संयुक्त समिति के पास भेजा गया है, जो ठंडे बस्ते में पड़ी है; ठउअ सहयोगियों के विरोध के कारण पिछले तीन हफ़्तों में कम से कम दो बार इसकी बैठकें रद्द करनी पड़ी हैं।

रमेश ने मौजूदा पॉलिसी की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय शुरू की गई 'नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन' से की और संसदीय सहमति तथा पॉलिसी के लंबे समय तक रहने वाले असर के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि नागपुर एजुकेशन पॉलिसी के उलट, राजीव गांधी सरकार के समय 1986 की NEP को अपनाने से पहले संसद में उस पर विस्तार से चर्चा हुई थी। इसकी एक खास उपलब्धि जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना थी, जिन्होंने शुरू से ही सामाजिक-आर्थिक तरक्की में अहम भूमिका निभाई है।

असम में बाढ़ से 75 लोगों की मौत और 3.32 लाख प्रभावित

अमित शाह ने की राहत प्रयासों की समीक्षा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से फोन पर बात कर राज्य में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की और राहत एवं पुनर्निर्माण प्रयासों के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया। असम में इस साल बाढ़ के कारण अब तक 75 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 3.32 लाख से अधिक लोग अब भी प्रभावित हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ समय पहले मुझे फोन कर असम बाढ़ के मद्देनजर जारी राहत प्रयासों की समीक्षा की।'' उन्होंने कहा कि शाह ने जमीनी स्थिति के बारे में जानकारी ली और यह आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक हर सहायता उपलब्ध कराती रहेगी।

शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री को उनके ''निरंतर सहयोग और असम के लोगों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता'' के लिए आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने (अमित शाह) कहा है कि केंद्र सरकार की सभी एजेंसियां और संसाधन इस कठिन समय में असम के लोगों के लिए उपलब्ध हैं। यह दूसरी बार है जब शाह ने बाढ़ की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री से बात की है। इससे पहले उन्होंने 23 जुलाई को भी इस संकट की समीक्षा की थी।

उत्तरी ओडिशा में बाढ़ की स्थिति गंभीर, पांच जिलों में 1.25 लाख से अधिक लोग प्रभावित

भुवनेश्वर। उत्तरी ओडिशा में बुधवार को बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और लगातार हो रही बारिश से प्रमुख नदियों का जलस्तर बढ़ गया एवं कई गांवों में बाढ़ का पानी भर गया है। बाढ़ से राज्य के पांच जिलों में 1.25 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को देखते हुए 10 जिलों में स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि गहरे दबाव के कारण हुई वर्षा से नदियां उफान हैं। बालासोर, भद्रक, जाजपुर, मयूरभंज और क्योंझर जिलों के गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है और कृषि भूमि का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि बालासोर जिले में बुधबलंगा और जालका नदियों में आयी बाढ़ से कई गांवों में पानी भर गया है, जबकि भद्रक और जाजपुर जिलों में बैतरणी, बुधा और सालंदी नदियों ने कई इलाकों को जलमग्न कर दिया है। जल संसाधन विभाग के अनुसार, क्षेत्र की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले करीब 50,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इन लोगों को राहत केंद्रों में पहुंचाया गया है, जहां उन्हें पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बचाव और राहत कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) और दमकल विभाग की टीमों को तैनात किया गया है।

अरविंद केजरीवाल का बड़ा आरोप, ई20 पेट्रसेन को लेकर ऑटो सैक्टर पर दबाव बना रही केंद्र सरकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर ऑटोमोबाइल निमार्ताओं पर कथित तौर पर 'दबाव' डालने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यह दबाव ई20 पेट्रोल के साथ वाहनों की अनुकूलता को लेकर है। केजरीवाल ने चिंता जताई कि 2023 से पहले निर्मित वाहन ई20 पेट्रोल के उपयोग से क्षतिग्रस्त हो सकते हैं और उनके प्रदर्शन में समस्या आ सकती है।

केजरीवाल का 'दबाव' का आरोप

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस मामले को लेकर केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार ऑटोमोबाइल कंपनियों पर दबाव बना रही है कि वे यह साबित

करें कि उनके वाहन ए20 पेट्रोल के अनुकूल हैं। केजरीवाल के अनुसार, यदि वाहन निमार्ता इस बात की पुष्टि नहीं करते हैं, तो सरकार उन्हें नए नियम लागू करने के लिए मजबूर कर सकती है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि यदि पुराने वाहन ए20 पेट्रोल का उपयोग करते हैं, तो उन्हें नुकसान हो सकता है।

बीजेपी का पलटवार

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अरविंद केजरीवाल के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। भाजपा ने प्रमुख उद्योगपतियों के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि ई20 पेट्रोल पूरी तरह सुरक्षित है। पार्टी ने बताया कि व्यापक परीक्षण और सत्यापन के बाद यह पुष्टि की गई है कि ई20 पेट्रोल वाहनों के लिए हानिकारक नहीं है। भाजपा ने इस बात पर जोर दिया कि ऑटोमोटिव सेक्टर ई20 पहल का समर्थन करता है और केजरीवाल के आरोप निराधार हैं।

ई20 पेट्रोल क्या है?

ई20 पेट्रोल, पेट्रोल में 20% इथेनॉल और 80% गैसोलीन का मिश्रण है। भारत सरकार पर्यावरण को बेहतर बनाने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से इथेनॉल सम्मिश्रण को बढ़ावा दे रही है। इस पहल के तहत, 1 अप्रैल 2023 से देश भर में ई20 पेट्रोल की बिक्री शुरू कर दी गई है।

संपादक की कलम से

2047 तक भारत अमीर बनेगा या सिर्फ अमीरों का भारत?

ललित शर्मा
संपादक

भारत जब 2047 में अपनी आजादी का शताब्दी वर्ष मनाएगा, तब दुनिया केवल हमारी अर्थव्यवस्था का आकार नहीं, बल्कि यह भी परखेगी कि उस समृद्धि में कितने भारतीय सहभागी बने। प्रश्न यह नहीं होगा कि भारत 25 या 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गया, बल्कि यह होगा कि आर्थिक शक्ति अंतिम व्यक्ति तक पहुंची या नहीं। क्या विकसित भारत का सपना हर नागरिक की वास्तविकता बनेगा, या केवल संपन्न वर्ग की उपलब्धि रह जाएगा? आज भारत जिस विकास पथ पर बढ़ रहा है, उसकी रफ्तार प्रभावशाली है, लेकिन दिशा पर गंभीर मंथन आवश्यक है। विकास तब तक अधूरा है, जब तक उसका लाभ सीमित वर्ग से निकलकर पूरे राष्ट्र तक नहीं पहुंचता। अन्यथा वह प्रगति नहीं, असमानता का विस्तार बन जाती है। इसलिए 2047 का सबसे बड़ा प्रश्न केवल आर्थिक नहीं, सामाजिक और नैतिक भी है। आज के आर्थिक संकेतक उम्मीद जगाते हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आकलनों के अनुसार, यदि भारत अगले दो दशकों तक 7.5झ8% की वृद्धि बनाए रखता है, तो 2047 तक उसकी अर्थव्यवस्था 25झ35 ट्रिलियन डॉलर (ईवाई, पीएचडीसीसीआई सहित विभिन्न आकलनों के अनुसार) तक पहुंच सकती है। प्रति व्यक्ति आय 15,000झ22,000 डॉलर रहने का अनुमान है। करोड़ों लोगों का गरीबी रेखा से बाहर निकलना बड़ी उपलब्धि है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू चिंताजनक है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 के अनुसार राष्ट्रीय आय का 58% शीर्ष 10% आबादी के पास है, जबकि निचली 50% आबादी को केवल 15% आय मिलती है। कुल संपत्ति का 65% शीर्ष 10% के पास केंद्रित है, जबकि आधी आबादी के हिस्से में महज 6% संपत्ति है। यह केवल आंकड़ों का अंतर नहीं, बल्कि विकास मॉडल का प्रतिबिंब है। असल चुनौती विकास की रफ्तार नहीं, उसकी प्रकृति है। भारत की आर्थिक वृद्धि मुख्यत: पूंजी-गहन उद्योगों, प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्र पर आधारित रही है। इन क्षेत्रों ने राष्ट्रीय आय बढ़ाई, लेकिन व्यापक रोजगार नहीं दिए। श्रम-गहन विनिर्माण अपेक्षित गति नहीं पकड़ सका। नतीजतन हर वर्ष लाखों युवा रोजगार बाजार में उतरते हैं, पर गुणवत्तापूर्ण अवसर नहीं मिलते। मध्यम वर्ग पर दबाव बढ़ रहा है और सामाजिक गतिशीलता धीमी पड़ रही है। पीएलएफएस 2025-26 के अनुसार महिला श्रम बल भागीदारी बढ़कर लगभग 32झ40% (शहरी क्षेत्रों में करीब 25%) हुई है, फिर भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए यह पर्याप्त नहीं है। कृषि से उद्योग और सेवाओं की ओर श्रमिकों का संक्रमण भी सुस्त है, जिससे करोड़ों लोग कम उत्पादकता वाले कार्यों में अटके हैं। यही वजह है कि विकास के आंकड़े चमकते हैं, लेकिन उनकी रोशनी समाज के बड़े हिस्से तक नहीं पहुंचती। यह असमानता केवल आय की नहीं, अवसरों की भी है। देश का एक छोटा वर्ग विश्वस्तरीय अस्पतालों, निजी विश्वविद्यालयों, आधुनिक कौशल संस्थानों और वैश्विक सुविधाओं तक पहुंच रखता है, जबकि करोड़ों लोग आज भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास से वंचित हैं। क्षेत्रीय विषमता भी गहरा रही है। कुछ राज्य निवेश, उद्योग और अधोसंरचना के दम पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जबकि अनेक राज्य विकास की दौड़ में पीछे छूट रहे हैं। यदि यही तस्वीर बनी रही, तो 2047 में भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने का दावा करेगा, लेकिन उसके भीतर दो भारत बसेंगे-एक समृद्ध, आधुनिक और अवसरों से परिपूर्ण; दूसरा अभाव, सीमित संभावनाओं और संघर्ष से घिरा।

आरक्षण की जंजीरों में कैद; प्रतिभा, विकास और राष्ट्र का भविष्य!

एन0के0शर्मा
लेखक

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके प्राकृतिक संसाधनों में नहीं, बल्कि उसकी प्रतिभाओं, उसकी कार्यसंस्कृति, उसकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और उसके नागरिकों के आत्मविश्वास में निहित होती है। जब किसी देश की व्यवस्था यह संदेश देने लगे कि जन्म, पहचान अथवा सामाजिक वर्गीकरण, योग्यता और परिश्रम से अधिक निर्णायक हो सकते हैं, तब केवल कुछ नौकरियाँ या सीटें प्रभावित नहीं होतीं-राष्ट्र की सामूहिक मानसिकता प्रभावित होती है। यही वह प्रश्न है जो आज भारत के सामने गंभीरता से खड़ा है। क्या हम एक ऐसे भारत का निर्माण कर रहे हैं जहाँ अवसरों का आधार उत्कृष्टता हो, या ऐसे भारत का जहाँ अवसरों का निर्धारण स्थायी रूप से पहचान की रेखाओं के आधार पर होता रहे?

यह स्वीकार करना होगा कि आरक्षण की अवधारणा का जन्म ऐतिहासिक विषमताओं के उपचार के उद्देश्य से हुआ था। संविधान निमार्ताओं ने इसे सामाजिक न्याय की दिशा में एक असाधारण और संक्रमणकालीन उपाय के रूप में देखा था। इसका उद्देश्य था कि जो लोग सदियों तक शिक्षा, प्रतिनिधित्व और अवसरों से वंचित रहे, उन्हें मुख्यधारा में लाया जाए। परन्तु किसी भी अस्थायी नीति का अनिश्चितकाल तक विस्तार, बिना व्यापक समीक्षा के, स्वयं एक नए प्रकार की असमानता और असंतोष को जन्म दे सकता है।

यही वह प्रश्न है जिसे आज ईमानदारी से पूछने की आवश्यकता है। सात दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी यदि आरक्षण का दायरा लगातार बढ़ता जाए, नई-नई श्रेणियाँ जुड़ती जाएँ और लगभग प्रत्येक राजनीतिक दल इसे चुनावी घोषणा-पत्र का स्थायी हथियार बनाए रखे, तो यह विचार स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या समस्या का समाधान खोजा गया, या केवल उसका राजनीतिक प्रबंधन किया गया?

यदि किसी नीति के बावजूद समाज में समान अवसरों की स्थिति अभी भी संतोषजनक नहीं है, तो दोष केवल समाज का नहीं, बल्कि नीति-निर्माण की सीमाओं का भी है। आज भारत का युवा वर्ग इतिहास से अधिक भविष्य की चिंता करता है। वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों का समय लगाता है, अपने परिवार की आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च करता है, मानसिक तनाव झेलता है और सफलता की आशा में अपना सम्पूर्ण यौवन दाँव पर लगा देता है। ऐसे अनेक युवाओं के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या उनकी सफलता का निर्धारण केवल उनकी प्रतिभा और परिश्रम से होगा, या उन कारकों से भी जिन पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है? यह प्रश्न किसी समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि नीति की संरचना के संबंध में है।

जब व्यवस्था का विश्वास कमजोर होता है, तब प्रतिभा का उत्साह भी कमजोर होने लगता है। निराशा का सबसे बड़ा संकट यह नहीं कि कोई परीक्षा हार जाए; सबसे बड़ा संकट तब होता है जब व्यक्ति यह मानने लगे कि प्रतियोगिता का मैदान पूरी तरह समतल नहीं है। ऐसी भावना यदि व्यापक स्तर पर विकसित होती है, तो उसका प्रभाव केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि राष्ट्रीय उत्पादकता, नवाचार और संस्थागत विश्वास पर भी पड़ता है। आज विश्व कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कम्प्यूटिंग, जैव-प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स और अंतरिक्ष अनुसंधान के नए युग में प्रवेश कर चुका है। राष्ट्रों के बीच प्रतिस्पर्धा अब जनसंख्या के आधार पर नहीं, बल्कि प्रतिभा की गुणवत्ता के आधार पर हो रही है। ऐसे समय में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपनी प्रत्येक प्रतिभा को अधिकतम अवसर दे। यदि उत्कृष्टता की संस्कृति कमजोर होगी, तो उसका प्रभाव विज्ञान, प्रशासन, चिकित्सा, न्याय, अनुसंधान और उद्योग-सभी क्षेत्रों पर पड़ेगा। यह भी उतना ही सत्य है कि केवल आरक्षण समाप्त कर देने से सामाजिक न्याय की सभी समस्याएँ समाप्त नहीं हो जाएँगी। वास्तविक समाधान कहीं अधिक गहरा है। यदि प्राथमिक विद्यालयों की गुणवत्ता समान नहीं होगी, यदि ग्रामीण और शहरी शिक्षा के बीच विशाल अंतर बना रहेगा, यदि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी को बेहतर प्रशिक्षण, पुस्तकें, डिजिटल संसाधन और मार्गदर्शन उपलब्ध नहीं होंगे, तो असमानता बनी रहेगी।

इसलिए समाधान अवसरों के कृत्रिम पुनर्वितरण से अधिक, अवसरों के वास्तविक विस्तार में निहित है। दुर्भाग्य यह है कि भारत में शिक्षा सुधार, विद्यालयों की गुणवत्ता, शिक्षक प्रशिक्षण, शोध, कौशल विकास और रोजगार सृजन जैसे मूल प्रश्नों की अपेक्षा आरक्षण पर राजनीति अधिक होती रही है। इससे न तो सामाजिक न्याय की समस्या पूरी तरह हल हुई और न ही उत्कृष्टता का वातावरण सुदृढ़ हो पाया। राजनीतिक दलों के लिए यह एक सुविधाजनक विषय बन गया, जबकि कठिन लेकिन आवश्यक सुधार पीछे छूटते चले गए।

यह भी विचारणीय है कि यदि किसी परिवार ने पीढ़ियों तक आरक्षण का लाभ प्राप्त कर लिया है और उसकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में पर्याप्त सुधार हो चुका है, तो क्या उसी स्वरूप में लाभ का निरंतर विस्तार न्यायसंगत है? इस प्रश्न पर मतभेद हो सकते हैं, परंतु लोकतांत्रिक समाज में नीतियों की समय-समय पर समीक्षा होना स्वाभाविक और आवश्यक है। किसी भी नीति को समीक्षा से ऊपर नहीं माना जा सकता। आरक्षण का सबसे बड़ा मनोवैज्ञानिक प्रभाव समाज के भीतर अदृश्य दीवारों का निर्माण है। जहाँ संविधान का उद्देश्य नागरिकों के बीच समानता और बंधुत्व को सुदृढ़ करना था, वहीं पहचान-आधारित स्थायी विभाजन कभी-कभी सामाजिक दूरी और परस्पर अविश्वास को भी बढ़ा सकता है। राष्ट्र तब मजबूत बनता है जब नागरिक स्वयं को पहले भारतीय और बाद में किसी अन्य पहचान से जोड़ते हैं। यदि सार्वजनिक नीति अनजाने में पहचान-आधारित विमर्श को स्थायी बना दे, तो सामाजिक समरसता पर उसके प्रभाव का अध्ययन भी उतना ही आवश्यक है जितना उसके लाभों का। शासन और प्रशासन के लिए भी यह आत्ममंथन का समय है। क्या भारत को ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ना चाहिए जहाँ प्रत्येक बच्चा, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि का हो, समान गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करे? जहाँ आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को सशक्त सहायता मिले? जहाँ प्रतियोगिता में प्रवेश से पहले अवसरों की समानता सुनिश्चित की जाए, ताकि अंतिम चयन अधिकाधिक योग्यता और क्षमता पर आधारित हो सके? यदि हम इस दिशा में आगे बढ़ते हैं, तो सामाजिक न्याय और उत्कृष्टता के बीच संतुलन स्थापित करना अधिक संभव होगा। राष्ट्र निर्माण भावनात्मक नारों से नहीं, बल्कि साहसिक नीति-सुधारों से होता है। किसी भी लोकतंत्र की परिपक्वता इस बात से मापी जाती है कि वह अपनी सबसे संवेदनशील नीतियों की भी समयानुकूल समीक्षा करने का साहस रखता है। सुधार का अर्थ इतिहास को नकारना नहीं, बल्कि भविष्य को अधिक न्यायपूर्ण बनाना है। भारत को आवश्यकता है ऐसे राष्ट्रीय विमर्श की जिसमें यह प्रश्न पूछा जाए कि क्या अब सामाजिक न्याय के साधनों को और अधिक प्रभावी, लक्षित और समयानुकूल बनाया जा सकता है? क्या सहायता का केंद्र शिक्षा की गुणवत्ता, आर्थिक वंचना, कौशल विकास और अवसरों के विस्तार पर अधिक होना चाहिए? क्या हमें ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए जहाँ किसी भी नागरिक को उसकी पहचान के कारण न तो स्थायी विशेषाधिकार का अनुभव हो और न ही स्थायी वंचना का?

राष्ट्र का भविष्य किसी एक नीति की स्थिरता में नहीं, बल्कि उसके निरंतर परिष्कार में छिपा होता है। यदि भारत को इक्कीसवीं सदी की महाशक्ति बनना है, तो उसे सामाजिक न्याय और उत्कृष्टता-दोनों को साथ लेकर चलना होगा। सामाजिक न्याय आवश्यक है, परन्तु वह तभी स्थायी बन सकता है जब उसके साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी शासन, व्यापक रोजगार, समान अवसर और योग्यता का सम्मान भी जुड़ा हो।

आज आवश्यकता किसी समुदाय के विरुद्ध संघर्ष की नहीं, बल्कि ऐसी नीतियों के पक्ष में खड़े होने की है जो हर भारतीय को यह विश्वास दिलाएँ कि उसकी मेहनत, उसका ज्ञान और उसकी प्रतिभा ही उसके भविष्य का सबसे बड़ा आधार होंगे। यही विश्वास किसी भी महान राष्ट्र की सबसे मूल्यवान पूँजी होता है, और यही वह आधार है जिस पर आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और विश्वगुरु भारत का निर्माण संभव है।

जीवन के लिए सही वातावरण

डॉ विजय गर्ग
लेखक

जीवन केवल जन्म लेने का नाम नहीं है, बल्कि सही परिस्थितियों में विकसित होने की एक सतत प्रक्रिया है। जिस प्रकार एक बीज को वृक्ष बनने के लिए उपजाऊ मिट्टी, जल, सूर्य का प्रकाश और स्वच्छ वायु की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार मनुष्य को भी शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और नैतिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण चाहिए। यही 'जीवन के लिए सही वातावरण' है। यह वातावरण केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक भी होता है। स्वस्थ जीवन की आधारशिला स्वच्छ और संतुलित प्राकृतिक वातावरण है। शुद्ध वायु, स्वच्छ जल, हरियाली, उपजाऊ भूमि और जैव विविधता मनुष्य के अस्तित्व के लिए अनिवार्य हैं। लेकिन आज वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, प्लास्टिक कचरा, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ इस वातावरण को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही हैं। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा और प्राकृतिक आपदाएँ इस बात का संकेत हैं कि यदि हमने प्रकृति के साथ संतुलन नहीं बनाया, तो भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वस्थ जीवन कठिन हो जाएगा। इसलिए पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता है। जीवन के लिए सही वातावरण की शुरूआत परिवार से होती है। परिवार बच्चे की पहली पाठशाला होता है। यदि घर का वातावरण प्रेम, विश्वास, अनुशासन और सहयोग से भरा हो, तो बच्चे के व्यक्तित्व का संतुलित विकास होता है। इसके विपरीत, तनाव, हिंसा और उपेक्षा का वातावरण बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। इसलिए परिवार का दायित्व है कि वह बच्चों को केवल सुविधाएँ ही नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार भी प्रदान करे। विद्यालय भी जीवन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, बल्कि अच्छे नागरिक तैयार करना भी होना चाहिए। विद्यालयों में सत्यनिष्ठा, सहिष्णुता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों का विकास किया जाना चाहिए। ऐसा शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों को आत्मविश्वासी, संवेदनशील और जिम्मेदार बनाता है। मानसिक और भावनात्मक वातावरण भी जीवन की गुणवत्ता निर्धारित करता है। आज की तेज-रफ़्तार दुनिया में तनाव, अकेलापन, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल निर्भरता लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे समय में परिवार के साथ समय बिताना, मित्रों से संवाद करना, प्रकृति के बीच समय गुजारना, नियमित व्यायाम करना और सकारात्मक सोच विकसित करना मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं। प्रेम, सम्मान और सहानुभूति से भरा वातावरण मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की शक्ति देता है। सामाजिक वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। एक ऐसा समाज जहाँ समान अवसर, न्याय, सुरक्षा और सम्मान उपलब्ध हों, वहाँ लोग अधिक आत्मविश्वास के साथ जीवन जीते हैं। जाति, धर्म, भाषा, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव किसी भी समाज की प्रगति में बाधा बनता है। इसके विपरीत, समानता, सहयोग और सामाजिक समरसता का वातावरण विकास को गति देता है। आर्थिक सुरक्षा भी जीवन के अनुकूल वातावरण का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, रोजगार के अवसर और सामाजिक सुरक्षा प्रत्येक नागरिक को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान करते हैं। जब समाज कमजोर वर्गों को आगे बढ़ने का अवसर देता है, तब समग्र विकास संभव होता है। आज तकनीक ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ चुनौतियाँ भी बढ़ी हैं। डिजिटल माध्यमों का विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। यदि तकनीक का उपयोग शिक्षा, नवाचार और समाज सेवा के लिए किया जाए, तो यह जीवन को समृद्ध बनाती है; लेकिन यदि इसका अत्यधिक उपयोग सामाजिक दूरी, तनाव और गलत सूचनाओं का कारण बने, तो यह जीवन के स्वस्थ वातावरण को प्रभावित करती है। इसलिए तकनीक और मानवीय संबंधों के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। जीवन के लिए सही वातावरण बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी है। पेड़ लगाना, जल संरक्षण करना, स्वच्छता बनाए रखना, ऊर्जा की बचत करना, दूसरों का सम्मान करना, जरूरतमंदों की सहायता करना और समाज में सकारात्मक सोच फैलाना-ये छोटे-छोटे कदम मिलकर बड़े परिवर्तन ला सकते हैं। जब व्यक्ति स्वयं बदलता है, तभी समाज बदलता है। अंततः, जीवन के लिए सही वातावरण वह है जहाँ प्रकृति सुरक्षित हो, शिक्षा सार्थक हो, परिवार स्नेहपूर्ण हो, समाज न्यायपूर्ण हो और प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान तथा अवसर प्राप्त हों। ऐसा वातावरण ही स्वस्थ, सुखी और समृद्ध समाज का निर्माण करता है। यदि हम अपने पर्यावरण की रक्षा करें, मानवीय मूल्यों को अपनाएँ और आने वाली पीढ़ियों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझें, तो हम एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं जहाँ हर जीवन सुरक्षित, सम्मानित और पूर्ण रूप से विकसित हो सके।

नीच अधम की अपनी है पहचान

उदय किशोर साह

कविता

नीच अधम की अपनी है पहचान
सत्य से होता है ये हर वक्त परेशान
झुठों का होता ये जालिम कद्रदान
बेईमानों की समाज में है सम्मान

नीच अधम की अपनी है शान बान
ये कब करते हैं इन्सानों की मान
इनकी बद्जुवान से होता अपमान
नादानों की दुनियां का है नादान

नीच अधम से मत हो आप हलकान
इनकी नजरें होती है शैतानों के शैतान
स्वार्थ हेतु बन जाता है ये हैवान
घटिया चरित्र में ये है सुपर महान

नीच अधम ना होता एक सभ्य इन्सान
नीयत में छुपा होता सदैव एक बईमान
गुस्ताखी करना इनका ही है। काम
अपनों के साथ भी बन जाता अनजान

नीच अधम का मत लो भई नाम
पाप कर्म है इनका एक ही धाम
लुट खसोट् में है ये सब बदनाम
दूरी बना कर रहना मेरे प्रिय भाईजान

कॉकरोच आंदोलन: गांधीवाद की छाया या डिजिटल युग का नया प्रतिरोध?

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

भारत में जब भी कोई नया जन-आंदोलन उभरता है, उसे पुराने वैचारिक फ्रेमों में समझने की कोशिश होती है। कॉकरोच आंदोलन के साथ भी यही हुआ है। कुछ लोग इसे युवाओं के असंतोष की नई अभिव्यक्ति मानते हैं, तो कुछ इसे गांधीवादी परंपरा की छाया में पढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में इस आंदोलन को महात्मा गांधी की प्रसंगिकता से जोड़ा जा सकता है, या यह केवल एक आकर्षक किंतु सतही तुलना है? इस प्रश्न का उत्तर न तो पूर्णतः 'हाँ' है और न ही 'नहीं'। कॉकरोच आंदोलन में गांधीवादी राजनीति के कुछ तत्व अवश्य दिखाई देते हैं, किंतु उसका स्वभाव, भाषा, माध्यम और वैचारिक संरचना गांधीवाद से स्पष्ट रूप से भिन्न है। इसलिए इसे गांधीजी की परंपरा का सीधा विस्तार मानने से पहले उसकी प्रकृति और सीमाओं को समझना आवश्यक है। गांधीवादी राजनीति की सबसे बड़ी शक्ति उसका नैतिक अनुशासन था। सत्य, अहिंसा, आत्मसंयम, जनसेवा और रचनात्मक कार्यक्रम-ये केवल राजनीतिक नारे नहीं थे, बल्कि आंदोलन की आत्मा थे। गांधी के लिए संघर्ष का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक रूपांतरण की प्रक्रिया भी था। इसी कारण उनके आंदोलन में साधन और साध्य के बीच गहरा सामंजस्य दिखाई देता है। इसके विपरीत, कॉकरोच आंदोलन की शक्ति उसकी व्यंग्यात्मकता, प्रतीकात्मकता और डिजिटल सक्रियता में निहित है। यह ऐसे दौर में सामने आया है, जब नई पीढ़ी पारंपरिक राजनीतिक भाषाओं से दूरी बना रही है और सोशल मीडिया, मीम, डिजिटल अभियानों तथा सार्वजनिक प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी असहमति दर्ज करा रही है। यह आंदोलन दशार्ता है कि आज का युवा अपने असंतोष को पुराने राजनीतिक ढाँचों के बजाय नए सांस्कृतिक प्रतीकों और संचार माध्यमों के जरिए व्यक्त करना चाहता है। इस दृष्टि से यह समकालीन प्रतिरोध की नई शैली है, पारंपरिक सत्याग्रह का पुनरावर्तन नहीं। फिर भी गांधीवादी प्रसंग से इसका संबंध पूरी तरह अस्वीकार नहीं किया जा सकता। गांधीजी ने राजनीति के केंद्र में सामान्य नागरिक को स्थापित किया था। उन्होंने यह विश्वास जगाया कि किसी भी परिवर्तन की वास्तविक शक्ति जनता की चेतना, उसके श्रम और उसके नैतिक साहस में निहित होती है। कॉकरोच आंदोलन भी इस अर्थ में महत्त्वपूर्ण है कि उसने युवाओं की बेरोजगारी, परीक्षा-प्रणाली की विश्वसनीयता, संस्थागत जवाबदेही और शासन के प्रति बढ़ते अविश्वास जैसे प्रश्नों को सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में ला दिया। इस स्तर पर यह जन-भागीदारी की वही ऊर्जा उत्पन्न करता है, जिसे गांधीवादी राजनीति का मूल तत्व माना जाता है। किन्तु यहीं सबसे महत्वपूर्ण अंतर भी सामने आता है। गांधी के लिए साधनों की पवित्रता सर्वोपरि थी। उनका विश्वास था कि अनुचित साधनों से उचित लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर, कॉकरोच आंदोलन का स्वर अधिक तीखा, व्यंग्यप्रधान और तात्कालिक है। वह व्यवस्था को चुनौती तो देता है, किंतु गांधी की तरह आत्मानुशासन, आत्मबल और वैचारिक संयम पर उतना बल नहीं देता। उसकी भाषा प्रतिरोध की भाषा है, तपस्या की नहीं। इसलिए उसे पूर्णतः गांधीवादी कहना उसकी अपनी विशिष्ट पहचान को धुंधला कर देता है। यह भी स्मरण रखना चाहिए कि गांधीवाद केवल विरोध की राजनीति नहीं था। वह ग्राम-स्वराज, स्वदेशी, श्रम की गरिमा, सामाजिक समरसता, सांप्रदायिक सद्भाव और रचनात्मक राष्ट्र-निर्माण की व्यापक अवधारणा था। इसके विपरीत, कॉकरोच आंदोलन का वर्तमान फोकस मुख्यतः शिक्षा, रोजगार, युवाओं की आकांक्षाओं और संस्थागत उत्तरदायित्व तक सीमित दिखाई देता है। इसलिए इसे गांधीवाद जैसी व्यापक सामाजिक परियोजना कहना अभी जल्दबाजी होगी। फिर भी दोनों के बीच एक गहरी समानता अवश्य है-दोनों जनता की चुप्पी को तोड़ते हैं। गांधी ने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध सामान्य भारतीय को बोलना सिखाया था। आज का यह आंदोलन युवाओं को यह विश्वास दिलाता है कि असंतोष केवल निजी निराशा नहीं है; उसे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति भी दी जा सकती है। जब युवाओं की समस्याएँ डिजिटल मंचों, सार्वजनिक प्रदर्शनों और सामाजिक संवाद के माध्यम से सामने आती हैं, तब यह लोकतंत्र की जीवंतता का संकेत होता है। राजनीति समाप्त नहीं हुई है; उसने केवल अपने नए माध्यम और नए प्रतीक खोज लिए हैं। इसलिए गांधीजी की प्रसंगिकता यहाँ प्रत्यक्ष प्रेरणा के रूप में कम और एक नैतिक कसौटी के रूप में अधिक महत्त्वपूर्ण है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि कॉकरोच आंदोलन गांधीवादी है या नहीं; बल्कि यह होना चाहिए कि क्या यह आंदोलन जनता की नैतिक चेतना को जागृत करता है? क्या यह केवल क्षणिक असंतोष का विस्फोट है या किसी दीर्घकालिक सामाजिक परिवर्तन की भूमिका तैयार कर रहा है? क्या इसकी व्यंग्यात्मक शक्ति लोकतांत्रिक सुधारों में परिवर्तित हो पाएगी? इन प्रश्नों के उत्तर समय देगा। अभी इतना अवश्य कहा जा सकता है कि इस आंदोलन को गांधीजी से जोड़ना आंशिक रूप से उचित है, यदि हम इसे जन-भागीदारी, नागरिक असहमति और जवाबदेही की मांग के संदर्भ में देखें। किंतु यदि इसे सत्याग्रह, अहिंसा, आत्मसंयम और नैतिक पुनर्निर्माण की कसौटी पर परखा जाए, तो यह गांधीवाद से अलग दिखाई देता है। यह गांधी का उत्तराधिकारी नहीं, बल्कि डिजिटल युग की नई विरोध-संस्कृति का प्रतिनिधि है। निष्कर्षतः, किसी भी जन-आंदोलन का मूल्यांकन केवल उसके प्रतीकों या लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्य, साधनों, नैतिकता और दीर्घकालिक प्रभाव से किया जाना चाहिए। यदि कोई आंदोलन जनता को जागरूक करता है, सत्ता से जवाबदेही मांगता है और लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करता है, तो वह गांधीवादी विरासत के कुछ तत्वों को स्पर्श अवश्य करता है। किंतु यदि उसमें सत्य, अहिंसा, आत्मानुशासन और रचनात्मक सामाजिक परिवर्तन की व्यापक दृष्टि का अभाव है, तो उसे गांधीवाद का विस्तार कहना उचित नहीं होगा। इसलिए तथाकथित 'कॉकरोच आंदोलन' को गांधीवाद का पुनर्जन्म नहीं, बल्कि डिजिटल युग की नई विरोध-संस्कृति के रूप में समझना अधिक समीचीन होगा। इतिहास अंततः यही तय करेगा कि यह क्षणिक असंतोष था या लोकतांत्रिक चेतना का एक स्थायी अध्याय।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

डिहाइड्रेशन से बचाव,हर बच्चे की सुरक्षाह्वसिम्स हापुड़ में ओआरएस सप्ताह के अंतर्गत जनजागरूकता अभियान का प्रभावी आयोजन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के पिलखुवा स्थित अनवरपुर गांव में बच्चों में डायरिया (दस्त) से होने वाले डिहाइड्रेशन की रोकथाम तथा ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस) के महत्व के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एंड हॉस्पिटल (सिम्स), हापुड़ के बाल रोग विभाग द्वारा ओआरएस सप्ताह 2026 के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस अभियान का उद्देश्य मेडिकल विद्यार्थियों, स्वास्थ्यकर्मियों, मरीजों, उनके परिजनों एवं आमजन को डायरिया से होने वाले डिहाइड्रेशन की रोकथाम में ओआरएस की जीवनरक्षक भूमिका से अवगत कराना तथा निवारक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। यह आयोजन समाज में स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देने और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ डिजिटल पोस्टर प्रस्तुति से हुआ, जिसमें एमबीबीएस अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने ओआरएस की सही विधि से तैयारी, उचित उपयोग, संरचना, लाभ एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य में इसकी महत्ता पर आधारित वैज्ञानिक एवं शोधपरक प्रस्तुतियाँ दीं। विद्यार्थियों ने डायरिया के दौरान डिहाइड्रेशन की समय पर पहचान, घर पर ओआरएस के उपयोग, पोषण संबंधी देखभाल, स्वच्छता के महत्व तथा बच्चों में डायरिया से होने वाली मृत्यु एवं जटिलताओं को कम करने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। बाल रोग विभाग के संकाय सदस्यों ने

विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्हें साक्ष्य-आधारित चिकित्सा ज्ञान एवं सामुदायिक स्वास्थ्य जागरूकता को और सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विभाग की नर्सिंग टीम ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई तथा अपने व्यावहारिक अनुभव साझा करते हुए समय पर ओआरएस देने के महत्व पर विशेष बल दिया।इसी क्रम में प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित लोगों को डायरिया की रोकथाम, डिहाइड्रेशन की प्रारंभिक पहचान, समय पर ओआरएस देने की आवश्यकता, स्तनपान जारी रखने, संतुलित पोषण, स्वच्छ पेयजल, हाथों की स्वच्छता तथा आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय परामर्श लेने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल एवं प्रभावी संदेश दिया। इस प्रस्तुति में मरीजों, उनके परिजनों, नर्सिंग स्टाफ, स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों, इंटर्न्स तथा संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नुक्कड़ नाटक ने स्वास्थ्य शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाने का प्रभावी माध्यम बनकर सभी को डायरिया से बचाव के सरल उपायों के प्रति जागरूक किया।इसके उपरांत बाल रोग विभाग में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं इंटर्न्स द्वारा पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में ओआरएस की सही तैयारी, डायरिया की रोकथाम, डिहाइड्रेशन का प्रबंधन, जिंक थेरेपी, बच्चों का पोषण, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता एवं निवारक स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक पोस्टर प्रदर्शित किए गए। इस प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों के बीच शैक्षणिक चर्चा को प्रोत्साहित किया तथा मरीजों एवं उनके परिजनों को भी डायरिया से बचाव एवं ओआरएस के सही उपयोग की जानकारी प्रदान की।पूरा कार्यक्रम डॉ. योगेश कुमार गोयल, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, बाल रोग विभाग के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम को डॉ. भावना कोहली (प्रोफेसर), डॉ. हीरू नवनी (प्रोफेसर), डॉ. भरत गुप्ता (प्रोफेसर), डॉ. आफिया खान (सहायक प्रोफेसर), डॉ. पल्लवी गुप्ता (सहायक प्रोफेसर), डॉ. दिव्या जैन (सहायक प्रोफेसर), डॉ. आशीष चौहान (सहायक प्रोफेसर), डॉ. भावेश (सीनियर रेजिडेंट) एवं डॉ. स्वाति (सीनियर रेजिडेंट) का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों, इंटर्न्स तथा नर्सिंग स्टाफ की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। विभागीय संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, समर्पण एवं उत्कृष्ट प्रस्तुति की सराहना करते हुए इसे चिकित्सा शिक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रभावी उदाहरण बताया।यह आयोजन संस्थान की प्राचार्या डॉ. बरखा गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. मेजर जनरल सी. एस. आहलुवालिया, सीनियर एडवाइजर ब्रिगेडियर डॉ. आर. के. सहगल, निदेशक श्री रघुवर दत्त तथा जनरल मैनेजर श्री एन. वर्धराजन के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों ने बाल रोग विभाग द्वारा आयोजित इस जनजागरूकता अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने तथा बच्चों में रोकी जा सकने वाली बीमारियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गाजियाबाद के अधिष्ठापन समारोह में बिजनौर नवचेतना क्लब का शानदार प्रदर्शन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिजनौर। गाजियाबाद में आयोजित अधिष्ठापन समारोह में बिजनौर नवचेतना क्लब की अध्यक्ष रेनू चौधरी, सचिव अर्चना चौधरी एवं कोषाध्यक्ष शैली चौधरी ने नव-निर्वाचित जिला चेयरपर्सन नीतू जैन का माल्यार्पण कर स्वागत एवं सम्मान किया।

इस समारोह में बिजनौर नवचेतना क्लब की ओर से रेनू चौधरी, अर्चना चौधरी, शैली चौधरी एवं सुमन रावत ने सहभागिता की। क्लब ने बैनर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में 'नारी झ्र बेचारी से शिकारी' एवं 'जियो और जीने दो' जैसे सामाजिक विषयों पर प्रभावशाली एवं जागरूकता से परिपूर्ण प्रस्तुति दी। बिजनौर नवचेतना क्लब ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बैनर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में कॉन्सोलेशन ट्रॉफी तथा लोगो प्रतियोगिता में भी तृतीय स्थान प्राप्त कर बिजनौर का नाम गौरवान्वित किया। बिजनौर नवचेतना क्लब की इस शानदार उपलब्धि पर पूर्व जिला अध्यक्ष एवं क्लब की फाउंडर मेंबर खुशबू कर्णवाल ने सभी सदस्यों को ढेरों शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि क्लब की यह सफलता सदस्यों की मेहनत, एकजुटता और रचनात्मक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी क्लब के इसी प्रकार नए आयाम स्थापित करने की कामना की।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.किशोर कुमार आहूजा के निर्देशन में टीबी विभाग के कार्मिकों का दो दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण सम्पन्न

सक्षम प्रवाह संस्था के द्वारा कराया गया प्रशिक्षण

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. किशोर कुमार आहूजा के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग के क्षय रोग (टीबी) विभाग द्वारा टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस), मुंबई द्वारा संचालित संस्था सक्षम प्रवाह के सहयोग से जिला सयुक्त चिकित्सालय परिसर सभागार में 28 जुलाई, 2026 से दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग (क्षमता संवर्धन) प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसका समापन आज 29 जुलाई, 2026 को हुआ।प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संयुक्त चिकित्सालय की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डॉ हेमलता सिंह ने की। इस अवसर पर उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. के.के. शर्मा एवं जिला पीपीएम कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी व जिला कार्यक्रम कॉर्डिनेटर दीपक

शर्मा भी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्टेट कैपेसिटी बिल्डिंग कोऑर्डिनेटर श्री यशपाल सिंह राजपूत एवं इम्तियाज ने टीबी विभाग के समस्त कार्मिकों को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत क्षमता संवर्धन, प्रभावी संचार, टीम समन्वय, मरीज-केंद्रित सेवाओं, व्यवहार परिवर्तन, नेतृत्व क्षमता तथा कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान व्यवहारिक अभ्यास एवं समूह गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों की कार्यकुशलता को और अधिक सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया।

अपने संबोधन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. किशोर कुमार आहूजा ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों की दक्षता बढ़ाने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव का लाभ टीबी रोगियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने तथा जनपद को टीबी मुक्त बनाने में सहयोग प्रदान करेगा और समय-समय पर इस प्रकार के प्रशिक्षण का आयोजन सभी कार्मिकों के लिए होना चाहिए इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह ने सक्षम प्रवाह संस्था के कोऑर्डिनेटर एवं समस्त टीवी कार्मिकों का धन्यवाद किया एवम्सभी कर्मचारियों से अनुरोध किया की सभी कर्मचारी इस प्रशिक्षण में बताई गई बातों को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें जिससे कि सभी मरीजों को उसका लाभ मिल सके और जनपद के सभी मरीज सरकारी योजना का लाभ अच्छी प्रकार से ले सके।

ऑपरेशन तलाश अभियानः हापुड़ नगर पुलिस ने 10 वारंटी गिरफ्तार किए

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से हापुड़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन तलाश' अभियान के तहत थाना हापुड़ नगर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न मामलों में लंबे समय से वांछित चल रहे 10 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने न्यायालय से जारी वारंटों के अनुपालन में विशेष अभियान चलाते हुए इन वारंटियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

कोतवाली प्रभारी मनीष चौहान ने बताया कि जनपद में अपराध की रोकथाम, वारंटियों एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी है।

उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई भविष्य में भी इसी तरह जारी रहेगी।

गुरु पूर्णिमा पर जेएमएस वर्ल्ड स्कूल का दान शिविर, जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए बढ़े मदद के हाथ

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जेएमएस वर्ल्ड स्कूल में विद्यार्थियों में सामाजिक एवं भावनात्मक कौशल (Social Emotional Skills) विकसित करने तथा उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से विशेष दान शिविर का आयोजन किया गया। यह अभियान 'वृंदावन कुंज गली सेवा ट्रस्ट' के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।दान शिविर के दौरान जरूरतमंद एवं वंचित वर्ग के बच्चों के लिए नकद राशि, स्टेशनरी सामग्री तथा खाद्य पदार्थों का संग्रह कर ट्रस्ट के माध्यम से वितरित किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की विशेष प्रार्थना सभा से हुई। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. निधि मलिक ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को गुरु के प्रति सम्मान और

समाज के प्रति अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सच्ची शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसे व्यवहार में उतारकर दूसरों की सहायता करना ही वास्तविक शिक्षा है। ऐसे कार्यों से बच्चों में करुणा, सहानुभूति और सेवा की भावना का विकास होता है। विद्यालय प्रबंधन की ओर से डॉ. आयुष सिंघल एवं डॉ. रोहन सिंघल ने वृंदावन कुंज गली सेवा ट्रस्ट के संस्थापक विकास शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए समाज के उत्थान एवं जरूरतमंदों की सेवा के लिए उनके निस्वार्थ योगदान की सराहना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का विकास करते हैं और उन्हें यह संदेश देते हैं कि वास्तविक खुशी दूसरों के जीवन में मुस्कान लाने तथा समाज के वंचित वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने में ही निहित है।

नीब करौरी मन्दिर हिदायतपुर में मनाया गया गुरू पूर्णिमा पर्व

वेलकम इंडिया ब्यूरो

धामपुर। अफजलगढ क्षेत्र के संकटमोचन श्री बाला जी धाम नीब करौरी मन्दिर हिदायतपुर पत्थरवाला में गुरू पूर्णिमा का पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। श्रद्धालुगणों ने गुरू तुल्य मन्दिर के महन्त मोहित त्यागी को अंगवस्त्र अर्पित कर गुरू के प्रति सम्मान और समर्पण भाव व्यक्त किया।

इस दौरान दूरदराज से आये श्रद्धालुओं ने गुरू महिमा गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरवे नमः पर अपने भाव व्यक्त किये।

संकटमोचन श्री बाला जी नीब करौरी मन्दिर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालु भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा खेल सिंह राजपूत, भाजपा मण्डल अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, अशोक धारीवाल, अमन धारीवाल, रजत कुमार, वीरभान सिंह, मोहित चौहान, विकास कुमार पाल, ट्रस्ट की अध्यक्ष मंजू त्यागी, महासचिव रितिक त्यागी आदि मौजूद रहे।

बेकाबू ट्रेलर घर में घुसा, छात्र समेत 13 मवेशियों की मौत

वेलकम इंडिया ब्यूरो

ढेबरुआ/सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के इटवा-बढ़नी मार्ग स्थित रामनगर गांव में बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने मकान और पशुशाला में घुस गया। हादसा इतना भीषण था कि ट्रेलर दो हिस्सों में बंट गया। दुर्घटना में घर के भीतर मौजूद 11वीं के छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 13 मवेशियों ने भी दम तोड़ दिया। दो ग्रामीण और छह भैंसें घायल हो गईं। रामनगर निवासी राम प्रसाद यादव का 20 वर्षीय पुत्र सूरज यादव हादसे के समय घर में मौजूद था। ट्रेलर की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूरज गांव के बरसाती इंटर कॉलेज में कक्षा 11 का छात्र था और छह भाई-बहनों में सबसे छोटा था। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। हादसे में पशुशाला

में बंधी नौ भैंस और चार गाय समेत कुल 13 मवेशियों की भी मलबे में दबकर मौत हो गई, जबकि छह अन्य भैंसें घायल हो गईं। इसके अलावा हरिराम (56) पुत्र अवध बिहारी और राम आसरे यादव (70) पुत्र भल्लू गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। धमाके जैसी आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। सूचना पर थानाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद पुलिस बल के साथ पहुंचे। बाद में एसडीएम शोहरतगढ़ राजेश कुमार, क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी, थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह तथा पशुपालन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण ट्रेलर की तेज रफ्तार और अनियंत्रित होना बताया जा रहा है।

घर से लगातार निकल रहे सांप के बच्चे, परिवार में दहशत

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मोहाना/सिद्धार्थनगर। जिले के विकास खंड नौगढ़ के करीमपुर महापाली चौराहा स्थित अजय गुप्ता के घर में बीती रात से लगातार सांप के बच्चे निकलने से परिवार और आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। परिजनों का दावा है कि अब तक करीब 30 सांप के बच्चे घर से निकल चुके हैं, जबकि उनका निकलना अभी भी जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सांप पकड़ने वाले विशेषज्ञ को बुलाया गया है, जो सुरक्षित तरीके से सांपों को पकड़ने का प्रयास कर रहे हैं। परिवार के सदस्य भय के कारण

सतर्कता बरत रहे हैं और घर के भीतर रहने में भी असहज महसूस कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने और पूरे घर की जांच कराने की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके। स्थानीय लोगों और परिजनों के अनुसार घर से लगातार सांप के बच्चे निकल रहे हैं।

बिस्कोहर में स्वच्छ भारत मिशन अर्बन 2.0 के तहत क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बिस्कोहर के सभागार में बुधवार को स्वच्छ भारत मिशन अर्बन 2.0 एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) नियम-2016 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य नगर को कचरा मुक्त बनाना तथा स्वच्छता से जुड़े कर्मचारियों को आधुनिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तकनीकों की जानकारी देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि बिस्कोहर को स्वच्छ, सुंदर और आदर्श नगर बनाना नगर पंचायत की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पालन व्यवहार में उतारना आवश्यक है। घर-घर से गीले और सूखे कचरे का अलग-अलग संग्रहण ही स्वच्छ नगर की आधारशिला है। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को नगर का वास्तविक ब्रांड एंबेसडर बताते हुए उनके कार्यों की सराहना की। डिवीजनल अमरेंद्र प्रताप सिंह ने स्वच्छ भारत मिशन अर्बन 2.0 के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए वैज्ञानिक तरीके से कचरा निस्तारण, कचरा पृथक्कीकरण और सिंगल यूज प्लास्टिक के बहिष्कार पर जोर दिया। उन्होंने कर्मचारियों से वार्ड स्तर पर लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। डीपीएम मनीष त्रिपाठी ने 3आर (रिड्यूस, रीयूज और रीसायकिल) तकनीक की जानकारी देते हुए जैविक कचरे से खाद बनाने तथा पुनर्चक्रण के महत्व को समझाया। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरणों (पीपीई किट) के नियमित उपयोग के लिए भी प्रेरित किया। कार्यशाला में सफाई कर्मचारी, सुपरवाइजर, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन चालक, कार्यालय कर्मियों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस दौरान वाहनों के रखरखाव, निर्धारित रूट चार्ट के पालन तथा जनजागरूकता अभियान को प्रभावी बनाने के संबंध में भी प्रशिक्षण दिया गया। अंत में अध्यक्ष अजय गुप्ता ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वच्छता सैनिकों का आभार व्यक्त करते हुए बिस्कोहर को स्वच्छता रैंकिंग में शीर्ष स्थान दिलाने का संकल्प दोहराया।

15.47 ग्राम स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार, पुलिस व एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई

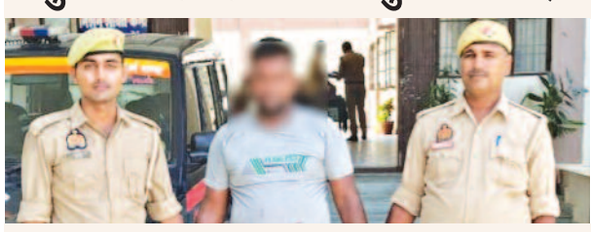

वेलकम इंडिया ब्यूरो

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा थाना पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने बुधवार को एक युवक को 15.47 ग्राम स्मैक (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, जिगनाधाम चौकी क्षेत्र के सोननगर गांव के पास संयुक्त चेकिंग के दौरान आरोपी को पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास से 15.47 ग्राम स्मैक बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप पुत्र रमेश निवासी गजेड़ी, थाना ढेबरुआ, जनपद सिद्धार्थनगर के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना इटवा पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया। कार्रवाई में थाना इटवा पुलिस तथा 50वीं वाहिनी एसएसबी की संयुक्त टीम शामिल रही।

बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध जैव विविधता और संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक है : धामी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर देहरादून में 'एकल उपयोग प्लास्टिक प्रतिबंध के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रवर्तन' विषयक राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला आयोजित की गयी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बाघ संरक्षण पर आधारित चित्र एवं पोस्टकार्ड का विमोचन किया। साथ ही मानव-वन्यजीव संघर्ष में साहसिक कार्य करने तथा वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सामाजिक कार्यकताओं को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए जनभागीदारी, जन-जागरूकता तथा प्रत्येक नागरिक के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सिंगल-यूज प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देकर उत्तराखण्ड को सिंगल-यूज प्लास्टिक मुक्त राज्य बनाने के संकल्प को साकार करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व बाघ दिवस के अवसर पर इस विषय पर आयोजित कार्यशाला अत्यंत सार्थक है। यह आयोजन केवल एक कार्यशाला नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भविष्य सुनिश्चित करने का सामूहिक संकल्प है। उन्होंने कहा कि बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध जैव विविधता और संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक है। यदि हमारे जंगल सुरक्षित रहेंगे, तो बाघ सुरक्षित रहेंगे और प्रकृति का संतुलन भी सुरक्षित रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगल-यूज प्लास्टिक पर्यावरण, नदियों, मिट्टी, जल स्रोतों और वन्यजीवों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। वन क्षेत्रों में छोड़ा गया प्लास्टिक अनेक बार वन्यजीवों के भोजन में मिल जाता है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि जंगलों, नदियों और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक के विरुद्ध प्रभावी और निर्णायक अभियान चलाना समय की आवश्यकता है।

तकनीकी विश्वविद्यालय के सभी 6 परिसरों एवं पॉलीटेक्निक संस्थानों में रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री डॉ. धनसिंह रावत ने विधानसभा स्थित सभाकक्ष तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। जिसमें विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर उन्हें जरूरी निर्देश दिये। बैठक में सभी तकनीकी शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक कैलेंडर लागू करने, परीक्षा कार्यक्रम को पूरी पारदर्शिता व जवाबदेही के साथ लागू करने, निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश डॉ. रावत ने अधिकारियों को दिये। इसके अलावा उन्होंने तकनीकी विश्वविद्यालय के सभी 6 परिसरों एवं पॉलीटेक्निक संस्थानों में रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये।

गुरुपूर्णिमा पर श्रीराम जानकी मंदिर में हवन-पूजन के बाद हुआ भंडारा, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। रामलीला मैदान के सामने स्थित श्रीराम जानकी मंदिर में गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष्य में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम का अखंड पाठ, हवन-पूजन, गुरुपूजन एवं पूर्णाहुति के साथ विधिवत समापन हो गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें दूर-दराज से पहुंचे संत-महात्माओं सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।

श्रीराम जानकी मंदिर के महंत बाबा राघवदास के नेतृत्व में गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर 28 जुलाई से अखंड पाठ का शुभारंभ किया गया था। अखंड पाठ के समापन के बाद विधि-विधान से हवन-पूजन किया गया। इसके उपरांत गुरुपूजन और पूर्णाहुति संपन्न हुई। धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा और श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं आस्था के साथ पूजा-अर्चना में सहभागिता की। पूर्णाहुति के बाद महंत बाबा राघवदास ने भगवान को भोग अर्पित कर भंडारे का शुभारंभ कराया।

उन्होंने दूर-दराज से पहुंचे संत-महात्माओं का स्वागत एवं सम्मान किया। भंडारे में शाहजहांपुर, बरेली, बदायूं, नैमिषारण्य, निगोही, बंडा, न्यूरिया हुसैनपुर, जितौरिया, लुकटिहाई, बलरामपुर, कसगंजा, अमरैयाकलां, खाता, तकियादीनारपुर, सुखदासपुर, देवीपुर, जमुनिया, न्यूरिया और मल्लपुर सहित विभिन्न स्थानों से संत-महात्मा एवं श्रद्धालु पहुंचे।मंदिर परिसर में आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान संत-महात्माओं ने गुरुपूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुरु को जीवन में सही मार्ग दिखाने वाला बताया। धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की और मंदिर में पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

इस दौरान बाबा राघवदास, भगवानदास, वनटीदास, श्रीकृष्ण दास, वीरपालदास, विवेक त्रिवेदी, राधाकृष्ण कुशवाहा, राजगुरु पाण्डेय, फूलदास, सियाराम दास, मनमोहन दास, डोरीदास, लक्ष्मण दास, केवलदास, हिमांशु सैनी, शिवम भारती, ऋतुराज, महादेव गाईन, हर्ष प्रधान सहित बड़ी संख्या में संत-महात्मा एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

हिन्दू समाज पार्टी में डी.के. गंगवार को बड़ी जिम्मेदारी, बने जिला उपाध्यक्ष

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। हिन्दू समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश तिवारी एवं प्रदेश अध्यक्ष अंकित तिवारी के निर्देश पर पार्टी के जिलाध्यक्ष विनोद शर्मा ने समाजसेवी डी.के. गंगवार को पीलीभीत का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है।

नियुक्ति की घोषणा होते ही उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।डी.के. गंगवार लंबे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं। उन्हें जरूरतमंदों की मदद और जनसेवा के लिए क्षेत्र में जाना जाता है। इससे पहले वह हिन्दू महासभा में प्रदेश मंत्री एवं युवा जिला मंत्री जैसे पदों पर भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

पार्टी पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि डी.के. गंगवार के अनुभव और सक्रियता से संगठन को जिले में और मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग मिलेगा।नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष डी.के. गंगवार ने कहा कि यह जिम्मेदारी संगठन के शीर्ष नेतृत्व और कार्यकताओं के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने तथा जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और आशीर्वाद से वह इस दायित्व का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे और हर सुख-दुख में लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे।

ग्राम प्रधान जाने आलम व सचिव विजय कुमार की निगरानी में शेरपुर कलां में चला सफाई अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। विकासखंड पूरनपुर की ग्राम पंचायत शेरपुर कलां में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। ग्राम पंचायत अधिकारी विजय राज कुमार के आदेश पर ग्राम प्रधान जाने आलम की निगरानी में सफाई कर्मचारियों ने गांव की विभिन्न गलियों और प्रमुख स्थानों पर पहुंचकर नालियों की तलीझाड़ सफाई कराई। अभियान के दौरान लंबे समय से जमा गंदगी, कूड़ा-कचरा और नालियों में जमी सिल्ट को बाहर निकाला गया, जिससे जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाने में मदद मिली।ग्राम पंचायत के नवदिया क्षेत्र में भी विशेष रूप से नाला सफाई अभियान चलाया गया। यहां नाले में जमा गंदगी और कचरे को हटाकर सफाई कराई गई। सफाई कर्मचारियों ने कड़ी मेहनत करते हुए नाले की गहराई तक पहुंचकर तलीझाड़ सफाई की, ताकि बारिश के दौरान पानी का बहाव बाधित न हो और जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। ग्राम प्रधान जाने आलम ने सफाई अभियान के दौरान मौके पर रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सफाई कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए नियमित सफाई बेहद जरूरी है। नालियों की समय-समय पर सफाई होने से गंदा पानी जमा नहीं होगा और ग्रामीणों को जलभराव एवं गंदगी की समस्या से राहत मिलेगी।

ग्रामीणों ने भी सफाई अभियान की सराहना करते हुए कहा कि नालियों और नालों में गंदगी जमा होने के कारण बरसात के मौसम में पानी निकासी की समस्या पैदा हो जाती है। ऐसे में तलीझाड़ सफाई अभियान से लोगों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।ग्राम पंचायत की ओर से ग्रामीणों से भी अपील की गई कि वे नालियों में कूड़ा-कचरा न डालें और स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में पंचायत का सहयोग करें।

अभियान के दौरान साफ- सफाई को लेकर ग्रामीणों में भी जागरूकता देखने को मिली। पंचायत की इस पहल से गांव में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या पर भी प्रभावी अंकुश लगने की उम्मीद है।

एथर गांव में सनसनी: तालाब में जहरीला केमिकल डालने से मछलियों का सामूहिक मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

शुजागंज अयोध्या। कोतवाली रूदौली के शुजागंज पुलिस चौकी अंतर्गत एथर गांव में स्थित अनस पुत्र मुन्ना अली ने पट्टे के तालाब में में मत्स्य पालन किया गया था जिसपर मंगलवार दोपहर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसी तालाब में केमिकल डाल दिया।जिसके चलते तालाब की सारी मछलियां मर गई ग्रामीणों द्वारा इसकी जानकारी मो अनस को दी गई सूचना पर पहुंचे तो देखा कि तालाब में मछली सब ऊपर आ गई थी। प्रार्थी द्वारा स्थानीय पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र दे कर जांच कर उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

गोवर्धन के रामकिशन सांवरिया सेवा सदन में भजन-संकीर्तन, गुरु वंदन व भंडारे के साथ धूमधाम से मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

अपने शिष्यों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है गुरु : पं. रामकिशन महाराज

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कस्बे में बंशीवट पर अपना घर आश्रम के नजदीक स्थित रामकिशन सांवरिया सेवा सदन परिसर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव गुरुजी पंडित रामकिशन महाराज के सानिध्य में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान भजन-संकीर्तन के साथ गुरु पूजा तथा विशाल भंडारा आयोजित किया गया जिसमें अनेक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं श्यामानंद महाराज ने अपनी मधुर ओजस्वी वाणी से गुरु वंदन तथा गिरिराज जी की महिमा का बखान करते हुए विभिन्न भजनों के माध्यम से समां बांध दिया। इस मौके पर आयोजित भजन-संकीर्तन के दौरान श्यामानंद महाराज ने सारे तीर्थ धाम आपके चरणों में हे गुरुदेव प्रणाम आपके चरणो में..., हमारो धन राधा श्री राधा श्री राधा..., आस करूं ब्रजवास तलहटी गोवर्धन की में...आदि भजनों के माध्यम से गुरु की महिमा तथा गिरिराज जी का जमकर बखान किया। इस दौरान उपस्थित भक्तगण भजनों की धुन पर झूमने पर मजबूर हो गए और गिरिराज जी की भक्ति में मदमस्त होकर घंटो तक जमकर झूमे।

वहीं पं. रामकिशन महाराज ने गुरु महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि शिष्य के जीवन में जब गुरु आता है तो वह उसे अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। गुरु के बिना भक्तिमार्ग पर चलना तथा ज्ञान प्राप्त करना आसान नहीं है इसीलिए गुरु का दर्जा भगवान से भी बढ़कर बताया गया है और गुरु शिष्य का रिश्ता बहुत ही पवित्र रिश्ता है। इस दौरान उपस्थित लोगों ने गुरु वंदन के साथ व्यास पूजा भी की तथा उपस्थित शिष्यों ने अपने गुरु को पुष्पमाला तथा पगड़ी पहनाकर भरपूर मान-सम्मान दिया तथा गुरुजी से आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात कार्यक्रम के अंत में गिरिराज जी का भोग लगाकर रामकिशन सांवरिया सेवा सदन परिसर में भंडारा प्रारंभ हुआ जिसमें अनेक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम स्थल गिरिराज जी के जयकारों से पूरी तरह गूंजायमान हो उठा। इस अवसर पर गुरु माता उर्मिला देवी, विनोद शर्मा, इंद्र सिंह तंवर दिल्ली, विजय सिंह मीणा, राजस्थान से गंगा सिंह, मध्य प्रदेश से डेविड, गुजरात से राम सिंह, चित्रकूट से यश, रामबाबू, गोविंद सिंह, जसवंत, अनिल जांगड़ा, रामदयाल आदि सहित अनेक भक्तगण मौजूद थे।

ऊधमसिंह नगर पुलिस ने 05 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। ऑपरेशन प्रहार के तहत नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ऊधमसिंह नगर पुलिस ने 05 तस्करों को गिरफ्तार किया। नशा तस्करों से 51.97 ग्राम स्मैक, 02 वाहन, 07 मोबाइल, 8,310 नकद एवं नशे की कमाई से खरीदी गई ज्वैलरी बरामद। पुलिस के अनुसार आरोपी बी.एड. कॉलेज के पास स्मैक की पुड़िया बनाकर बिक्री कर रहे थे। स्थानीय लोगों की लगातार शिकायतों पर पुलिस ने कार्रवाई की। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जनसंपर्क के दौरान धनपति वर्मा का बड़ा राजनीतिक हमला, बोले संघर्ष होगा और तेज

बरखेड़ा में सपा नेता धनपति वर्मा की हुंकार, सरकार को बताया जनविरोधी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी अधिवक्ता सभा के 128 विधानसभा बरखेड़ा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजवादी नेता धनपति वर्मा एडवोकेट ने बुधवार को विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर प्रदेश सरकार पर जोरदार राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने ग्राम मुडैला खुर्द, मुडैला कलां, पुरवा, जैतापुर, अटकोना, वांसबोझ, नकटिया, धियोना, वाहनपुर, करनापुर, पचपेड़ा, शहपुरा और गगनपुर सहित कई गांवों में ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उनके समाधान के लिए संघर्ष का भरोसा दिलाया। जनसंपर्क के दौरान धनपति वर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता आज महंगाई, बेरोजगारी और बदहाल कानून व्यवस्था की मार झेल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए परेशान हैं, नौजवान रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं और गरीब तथा मजदूर वर्ग लगातार आर्थिक संकट से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के विकास के दावे केवल कागजों और प्रचार तक सीमित हैं, जबकि गांवों में बुनियादी सुविधाओं की कमी साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, जिससे आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। उनका आरोप था कि सत्ता में बैठे लोगों का जनता की वास्तविक समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रह गया है और सरकार जनहित के मुद्दों से ध्यान हटाकर केवल प्रचार- प्रसार में लगी हुई है। धनपति वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी किसानों, नौजवानों, महिलाओं, मजदूरों और गरीबों के अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा और जनहित के मुद्दों पर सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को सुने और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाए। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही जनता की लड़ाई को प्रभावी ढंग से लड़ सकता है। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया और क्षेत्र की सड़क, बिजली, पानी, विकास कार्यों तथा अन्य स्थानीय समस्याओं से अवगत कराया। धनपति वर्मा ने भरोसा दिलाया कि जनता की हर आवाज को प्रमुखता से उठाया जाएगा और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं पड़ने दिया जाएगा।इस दौरान डॉ. ऋषिपाल वर्मा, कामता प्रसाद, राजीव कुमार वर्मा, सतीश कुमार वर्मा, वीर प्रताप सिंह, सुरेश चंद्र, सेवाराम, जगदीश लोधी, शोभित, वेद प्रकाश दीक्षित, शंकर लाल, अरमान अली, अरविंद राजपूत, प्रशांत कुमार गंगवार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

आइडिया बैंक से इंस्पायर अवार्ड तक, विद्यार्थियों को दी विज्ञान की नई उड़ान

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 को लेकर डिस्ट्रिक्ट एकेडमिक रिसोर्स पर्सन लक्ष्मीकांत शर्मा ने विभिन्न विद्यालयों का संपर्क कर छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने अवध पब्लिक स्कूल, अवध वर्ल्ड स्कूल और सिटी मोंटेसरी स्कूल पहुंचकर राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के उद्देश्य, विषय और प्रोजेक्ट तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 का मुख्य विषय ह्लटिकाऊ जीवन के लिए विज्ञान और नवाचारह्व है। इसके अंतर्गत ऊर्जा, जल, भोजन एवं कृषि, स्वास्थ्य, टिकाऊ जीवन के लिए भारतीय ज्ञान प्रणालियों का उपयोग तथा अपशिष्ट प्रबंधन सहित विभिन्न उपविषयों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि 10 से 17 वर्ष की आयु के नियमित विद्यालय जाने वाले बच्चों के साथ-साथ स्कूल प्रणाली से बाहर अथवा स्कूल छोड़ चुके बच्चे भी इस कार्यक्रम में प्रतिभाग कर सकते हैं।उन्होंने विद्यार्थियों को अपने आसपास मौजूद समस्याओं को पहचानने, उन्हें समझने और विज्ञान के माध्यम से उनके समाधान की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं में वैज्ञानिक चेतना विकसित करना तथा उन्हें विज्ञान की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर देना है। इसमें अवलोकन, आंकड़ा संग्रह, प्रयोग और विश्लेषण के माध्यम से निष्कर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया को आत्मसात कराया जाता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस अनुसंधान आधारित सीखने का कार्यक्रम है, जो प्रत्येक वर्ष एक विशिष्ट विषय पर केंद्रित होता है। इसके तहत स्थानीय समस्याओं से शुरूआत कर वैश्विक स्तर तक समाधान तलाशने के मूल सिद्धांत पर कार्य किया जाता है। विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट तैयार करने के विभिन्न चरणों की जानकारी देते हुए बताया गया कि यह एक-दो दिन का कार्य नहीं है, बल्कि किसी एक प्रोजेक्ट पर एक से दो महीने तक निरंतर मेहनत और शोध करना पड़ सकता है।

डीआईजी संजीव त्यागी बोले- सतर्कता और जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय

एमएन पब्लिक स्कूल में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बुद्धवार को विकास खंड सेमरियावां क्षेत्र के सोनौरा गौसी स्थित एमएन पब्लिक स्कूल में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, डिजिटल सुरक्षा तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि तेजी से बढ़ते डिजिटल युग में तकनीक का सुरक्षित और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बस्ती रेंज के डीआईजी संजीव त्यागी ने कहा कि इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग हमेशा सावधानीपूर्वक करें। किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी, एटीएम पिन, पासवर्ड अथवा अन्य गोपनीय सूचनाएं साझा न करें।

उन्होंने विद्यार्थियों को फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक और ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा कि किसी भी साइबर अपराध की जानकारी तत्काल साइबर हेल्पलाइन या निकटतम पुलिस स्टेशन को दें। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही साइबर अपराधों के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने कहा कि साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक का डिजिटल रूप से जागरूक होना आवश्यक है।

उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं सतर्क रहें और अपने परिवार व समाज को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। इससे पूर्व साइबर थाना की हेड कांस्टेबल अमृता सिंह ने साइबर अपराधो की विस्तृत जानकारी देते हुए लोगों को जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन अय्यूब खान एवं अफकार अहमद ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सदर प्रियम राज शेखर पांडेय, दुधारा थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा, साइबर थाना हेड कांस्टेबल अमृता सिंह, विद्यालय प्रबंधक जुबेर अहमद, एमडी शोएब अहमद नदवी, सेराज अहमद, हाजी शब्बीर अहमद, इरशाद अहमद, पूर्व ब्लॉक प्रमुख महमूद आलम चौधरी, फिरोज अहमद नदवी, फुजैल अहमद नदवी, गुफरान अहमद, प्रधानाचार्य इसरार अहमद, सईद अहमद, खालिद खान, राम फूल, दीपेंद्र पाण्डेय, शहबाज अहमद, मीना मौर्या, फरीदुज्जमा, फैजान अहमद, फुजैल नदवी, हाफिज अब्दुल हादी, अतीक सिद्दीकी, हबीबुर्रहमान, हकीमुल्लाह, मोहसिन, अफजल हुसैन, एडवोकेट अब्दुल करीम, जमाल अहमद, मोहम्मद ईशा सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा पर संत गोरखनाथ चिल्ड्रन एकेडमी में गूंजा गुरु महिमा का संदेश

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के संत गोरखनाथ चिल्ड्रन एकेडमी में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं ने गुरु महिमा पर आधारित गीत, भाषण, नाटक और गुरु वंदना प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु वंदना से हुआ। इसके बाद बच्चों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु के महत्व और भारतीय संस्कृति में उनके सर्वोच्च स्थान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति को उपस्थित लोगों ने खूब सराहा।विद्यालय के प्रबंधक क्षितिज मित्तल ने कहा कि गुरु ही शिष्य के जीवन का सच्चा मार्गदर्शक होता है। गुरु अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाता है और जीवन में सही दिशा प्रदान करता है।प्रधानाचार्या कुमारी रंजना मित्तल ने कहा कि गुरुजनों द्वारा दिए गए ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन को जीवन में अपनाकर ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने गुरुजनों और माता-पिता का सदैव सम्मान करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त शिक्षण स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार ने बाइक में मारी टक्कर, मां-बेटी समेत तीन घायल, जिला अस्पताल रेफर

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर द गोल्ड पब्लिक स्कूल के निकट कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दंपति और उनकी आठ वर्षीय पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची यूपी-112 पुलिस ने तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। बुधवार को बागपत जनपद के गांव कुताना निवासी जितेंद्र अपनी पत्नी रेनू और आठ वर्षीय पुत्री यशिका के साथ बाइक से शामली थे।

जैसे ही उनकी बाइक थाना क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर द गोल्ड पब्लिक स्कूल के पास पहुंची, तभी सामने से आ रही एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने तत्काल यूपी-112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की सहायता से नगर के सरकारी अस्पताल मैं उपचार के लिए भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनो की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस तलाश में जुटी है। समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में थाने में कोई तहरीर नहीं दी गई थी।

सावन व कांवड़ यात्रा की तैयारियों का आईजी ने लिया जायजा, तामेश्वरनाथ शिव मंदिर का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। आगामी सावन मास दृष्टिगत पुलिस महानिरीक्षक, बस्ती परिक्षेत्र बस्ती संजीव त्यागी ने आगामी कांवड़ यात्रा को सुरक्षित एवं सुचारू संपन्न कराने हेतु पुलिस अधीक्षक जनपद संदीप कुमार मीना की उपस्थिति में तामेश्वरनाथ शिव मन्दिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा व भीड़ प्रबन्धन हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए । जलाभिषेक के लिए लगने वाली लाइन की बैरिकेटिंग व रुट डायवर्जन के बारे मे जानकारी ली ।महोदय द्वारा मेला स्थल के आसपास सीसीटीवी का निरीक्षण किया गया, साथ ही मेला आयोजको व स्वयंसेवी संस्थाओ के सदस्यो से बात चीत कर जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं के आवागमन मार्ग, विश्राम स्थान, भोजन व्यवस्था व बिजली आदि से सम्बन्धित विभिन्न बिन्दुओ पर वार्ता की गई । निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली खलीलाबाद जय प्रकाश दूबे, पीआरओ पुलिस अधीक्षक पी के गुप्ता सहित अन्य अधिकारी / कर्मचारीगण व मेला प्रबन्धन कमेटी के सदस्यगण मौजूद रहे ।

कांवड़ यात्रा पर सौहार्द का संदेश, एक मंच पर जुटे जिले के सभी निकाय अध्यक्ष

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। आगामी कांवड़ यात्रा, महाशिवरात्रि एवं अन्य त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम के फार्म हाउस पर जनपद के निकाय अध्यक्ष एसोसिएशन शामली की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष एवं नगर पालिका परिषद शामली के अध्यक्ष अरविंद संगल ने की।

बैठक में जिले की तीन नगर पालिकाओं और छह नगर पंचायतों के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधियों ने प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कांवड़ यात्रा को सफल बनाने, सांप्रदायिक सौहार्द कायम रखने तथा नगरों में स्वच्छता, पथ प्रकाश और आवश्यक नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने का संकल्प लिया।

बैठक में सभी निकायों में आईएसओ प्रमाणन कराने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। अरविंद संगल ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, सेवा और सामाजिक एकता का पर्व है। सभी निकाय अपने-अपने क्षेत्रों में शांति समितियों का गठन कर समस्याओं का समय रहते समाधान कराएं तथा कांवड़ियों की सुविधाओं के लिए प्रभारी नियुक्त करें। वहीं, नगर पालिका कांधला के अध्यक्ष नजमुल इस्लाम ने कहा कि त्योहारों के दौरान साफ-सफाई, पथ प्रकाश और कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि जिले में भाईचारे और सौहार्द का वातावरण बना रहे।

बैठक का संचालन नगर पंचायत जलालाबाद के अध्यक्ष जहीर मलिक ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका कैराना के अध्यक्ष शमशाद अंसारी, नगर पंचायत ऊन के अध्यक्ष प्रदीप चौधरी सहित जिले के सभी निकायों के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने चोरी की 01 अदद मोटरसाइकिल के साथ वाँछित 01 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत, अपर पुलिस अधीक्ष सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में जनपद संतकबीरनगर मे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान जनपद में चोरी जैसी घटनाओं के सफल अनावरण हेतु प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दूबे के नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 शैलेन्द्र कुमार, उ0नि0 नागेन्द्र सिंह, हे0का0 रामरतन, का0 संदीप यादव, का0 विकास पाठक ने मु0अ0सं0 685/2026 धारा 303(2) बीएनएस में वांछित अभियुक्त रामआशीष कन्नौजिया पुत्र विजय कुमार साकिन शिवापार थाना बखिरा जनपद संतकबीरनगर को ग्राम करैली से कुछ दूर आगे शिवापार जाने वाले मार्ग से चोरी की 01 अदद स्पलेण्डर आई स्मार्ट (रजि0नं0 यू0पी058 पी 3673) के साथ गिरफ्तार किया ।

दिनाँक 28.07.2026 को वादी वंश बहादुर राय पुत्र स्व0 राजकुमार राय निवासी बालू शासन थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर द्वारा थाना कोतवाली खलीलाबाद पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा बघौली देशी शराब की दुकान के पास खड़ी उनकी मोटरसाइकिल को चोरी कर लेने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र दिया गया था ।

प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना कोतवाली खलीलाबाद पर अभियोग पंजीकृत किया गया था । बरामदगी/गिरफ्तारी के आधार पर धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गयी।

तहसील लालगन्ज परिसर मे मामूली सी बारिश से जमा पानी निकासी की नही कोई व्यवस्था

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। तहसील लालगन्ज ।कांग्रेस के दिग्गज नेता रामपुर खास से लगातार अजेय रहने वाले पूर्व विधायक तथा वर्तमान मे राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी तथा कांग्रेस की दिग्गज नेत्री विधायक अराधना मिश्रा मोना की तहसील लालगन्ज मे चार दिन पुर्व की मामूली सी बरसात ने सरकार और जिला प्रशासन के विकास के दावो की पोल खोल दी है । तो वही एक सवाल दिग्गज राजनीतिज्ञ प्रमोद तिवारी और विधायक अराधना मिश्रा के सामने भी छोड दिया है।

विस्तृत खबर अनुसार चार दिन पूर्व मामूली सी बरसात हुई थी। जिससे लालगन्ज तहसील की सडको पर पानी भर गया । किन्तु आज चार दिन बाद भी सडको पर भरा पानी अधिवक्ता और फरियादी दोनो के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है । जिले की प्रतिष्ठित लालगन्ज तहसील जहा दो एस डी एम और दो तहसीलदार लगभग रोज अपने कार्यालय मे बैठ फरियादियो की फरियाद सुनते है।

अपने अपने कार्यालय सभी अफसर अपनी सरकारी गाडी मे बैठ इसी पानी को पार कर पहुचते है। लेकिन शायद इन अफसरो ने कभी ये नही सोचा कि उन तक फरियादी और वकील इसी पानी मे चल पहुचते कैसे है। ताज्जुब तो यह भी होता है कि लालगन्ज तहसील के विद्वान अधिवक्ताओं ने भी आखिर सडक पर भरे इस पानी के लिए उपजिलाधिकारी और तहसीलदार को आइना दिखा उनकी आखे क्यो न खोल दी।

यहा सवाल यह भी है कि दिग्गज विकास पुरुष और विकास का पर्याय विधायक मोना मिश्रा की भी नजर तहसील की सडको पर अगद के पाव की तरह जमा इस पानी पर क्यो न पडी। सवाल तो पत्रकार बन्धुओ पर भी उठता है कि आखिर कैसे तहसील परिसर के इस जमा पानी पर उनकी नजर न पडी और यदि पडी तो आखिर उन्होने अपने समाचार पत्रो या चैनलो के माध्यम से तहसील व जिला प्रशासन क आखे खोलने को मजबूर क्यो न किया।

कुल मिलाकर तहसील परिसर की सडको पर कयी दिनो से पानी भरा है। जो लगभग हर वर्ष की बारिश मे देखने को मिलता है । तहसील परिसर से पानी निकासी की कोई उचित व्यवस्था नही है । जिसका खामियाजा यहा आने वाले फरियादियो और अधिवक्ताओ को झेलना पडता है । बेहतर होगा जिला प्रशासन और तहसील प्रशासन अपनी आखो पर बधी पट्टी को खोले और तहसील परिसर की सडको पर रुके पानी की निकासी का स्थायी हल खोजे ।

नामवर शताब्दी समारोह में हिंदी आलोचना की समृद्ध परंपरा को किया गया नमन

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। नारायणी साहित्य अकादमी, भारत के तत्वावधान में रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हंसराज कॉलेज में हिंदी के मूर्धन्य आलोचक, चिंतक एवं साहित्य मनीषी प्रो. नामवर सिंह की जन्मशती के उपलक्ष्य में 'नामवर शताब्दी समारोह' का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। समारोह में देशभर से आए साहित्यकारों, शिक्षाविदों, शोधकताओं, पत्रकारों तथा साहित्यप्रेमियों ने सहभागिता करते हुए हिंदी आलोचना की गौरवशाली परंपरा को स्मरण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, अतिथियों के स्वागत तथा श्रीमती रजनीश गोयल द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। प्रथम सत्र का संचालन ललित मोहन जोशी ने किया। 'आलोचना के क्षेत्र में नामवर' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में प्रो. ओम प्रकाश सिंह (जेएनयू), प्रो. विजय सागर सिंह (मोतीलाल नेहरू कॉलेज), प्रो. सुधीर प्रताप सिंह (जेएनयू), प्रो. राम जन्म शर्मा (एनसीईआरटी) तथा डॉ.सविता चड्ढा ने अपने विचार व्यक्त किए। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात साहित्यकार डॉ.सविता चड्ढा ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रो. नामवर सिंह ने हिंदी आलोचना को नई वैचारिक दृष्टि प्रदान की है। उन्होंने सुझाव देते हुवे कहा कि प्रो.नामवर सिंह के व्यक्तित्व ओर कृतित्व पर विद्वानों के विचारों को शामिल करते हुए एक पुस्तक का प्रकाशन किया जाना चाहिए। द्वितीय सत्र में विभिन्न साहित्यिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा साहित्य, शिक्षा और पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ साहित्यकारों, शिक्षाविदों एवं पत्रकारों को सम्मानित किया गया तथा अनेक पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। वरिष्ठ साहित्यकार रघुवीर शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. दर्शनी प्रिय तथा वरिष्ठ कवि दिनेश सहित अनेक वक्ताओं ने प्रो. नामवर सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। डॉ. दर्शनी प्रिय ने उन्हें हिंदी साहित्यिक आलोचना का कालजयी पुरोधा बताते हुए कहा कि उनकी वैचारिक विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव मार्गदर्शक बनी रहेगी। समारोह के समापन पर डॉ. पुष्पा सिंह विसेन ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रो. नामवर सिंह का साहित्यिक अवदान हिंदी जगत की अमूल्य धरोहर है और उनका चिंतन सदैव नई पीढ़ी का पथ-प्रदर्शन करता रहेगा।इस अवसर पर नारायणी साहित्य अकादमी, भारत के महासचिव प्रदीप समनाक्षर, अध्यक्ष माही मुंतज़िर सहित देशभर के अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकार, शिक्षाविद, पत्रकार, शोधकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कावंड़ यात्रा हमारी सांस्कृतिक चेतना का उत्सव: महापौर

महापौर व नगर निगम ने निगम के कांवड़ व्यवस्था शिविर का किया शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। नगर निगम द्वारा अम्बाला रोड पर स्थापित कांवड यात्रा व्यवस्था कैंप का आज महापौर डॉ. अजय कुमार, नगरायुक्त शिपू गिरि, शिव कांवड़ संघ के अध्यक्ष संजय फुटेला, उपसभापति मयंक गर्ग व अन्य पार्षदगणों ने भगवान शिव के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित व रिबन काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर निगम द्वारा प्रकाशित व डॉ. वीरेन्द्र आजम द्वारा सम्पादित ह्यह्यकांवड़ यात्रा-2026 व्यवस्था विवरण पत्रिकाह्लह्ल का लोकार्पण भी किया गया।महापौर ने अपने मोबाइल से स्कैन कर विवरण पत्रिका का ह्यक्यूआरकोडह्ल भी जारी किया। कांवड़ व्यवस्था शिविर का शुभारंभ करते हुए महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कांवड़ यात्रा के लिए नगर निगम द्वारा गत वर्षो की अपेक्षा और अधिक श्रेष्ठ व्यवस्थाएं की गयी है। उन्होंने कहा कि शिव लोकमंगल है तथा हमारी सांस्कृतिक चेतना है और कावंड़ यात्रा हमारी सांस्कृतिक चेतना का उत्सव है। उन्होंने कहा कि हम सब इस विराट उत्सव को मिल-जुलकर मनाएं और अपनी इस साझा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखें यह हम सबका कर्तव्य है। नगरायुक्त शिपू गिरि ने कहा कि कांवड़ यात्रा राष्ट्रीय महत्व का लोक उत्सव है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर पांच राज्यों के लाखों कांवड़िए सहारनपुर से होकर गुजरते हैं। हमारा नैतिक दायित्व और कर्तव्य है कि हम उनकी यात्रा को आसान बनाने के लिए अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान करें तभी वे अपने-अपने शहरों में जाकर नगर निगम सहारनपुर की श्रेष्ठ छवि प्रस्तुत करेंगे। उपसभापति मयंक गर्ग, पार्षद मंसूर व कांवड़ सेवा संघ के अध्यक्ष संजय फुटेला ने निगम की व्यवस्थाओं को सराहते हुए कहा कि प्रत्येक पर्व पर सभी धर्म और संप्रदाय के लोग मिल जुलकर उल्लास के साथ त्यौहार मनाते रहे हैं। इससे पूर्व अपर नगरायुक्त/कांवड़ यात्रा के नोडल अधिकारी मृत्युंजय, नगर स्वास्थय अधिकारी डॉ. प्रवीन शाह, जेडएसओ गजेंद्र सिंह, मुख्य सफाई निरीक्षक इंद्रपाल सिंह व परमानंद ने अतिथियों को पौधे और पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया।

देश की राजधानी दिल्ली के राष्ट्रीय मंच पर चमका लखीमपुर का नाम, ETV Bharat के युवा पत्रकार विनीत गुप्ता को मिला '40 अंडर 40' सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिले के युवा पत्रकार एवं एळश ईं१३ के जिला संवाददाता विनीत कुमार गुप्ता को पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए समाचार4मीडिया के प्रतिष्ठित '40 अंडर 40 अवार्ड' से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। समारोह में देशभर के मीडिया जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद रहीं। देशभर के हजारों पत्रकारों के बीच चयनित 40 वर्ष से कम आयु के केवल 40 पत्रकारों को यह सम्मान दिया जाता है। चयन जूरी पैनल द्वारा पत्रकारों की रिपोर्टिंग, जनसरोकार से जुड़े मुद्दों पर प्रभाव, पेशेवर कार्यशैली और साक्षात्कार के आधार पर किया जाता है। वर्तमान में एळश ईं१३ में जिला संवाददाता के रूप में कार्यरत विनीत कुमार गुप्ता ने लखीमपुर खीरी से कई ऐसी जमीनी रिपोर्टें कीं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई। इनमें यूपी के 40 गांवों के 4112 ग्रामीणों पर दर्ज वन विभाग के मुकदमे, रात में पुलिस गश्त का रियलिटी चेक, ग्रंट नंबर-12 गांव पर मंडराता अस्तित्व का संकट, धौरहरा का आंगनबाड़ी केंद्र बना प्रदेश के लिए मिसाल, धौरहरा की हाट बाजार की बदहाली और मोतीपुर गौशाला से महिलाओं को मिला रोजगार जैसी प्रमुख खबरें शामिल हैं। इनमें 40 गांवों के 4112 ग्रामीणों पर दर्ज वन विभाग के मुकदमों से जुड़ी खोजी रिपोर्ट को सबसे अधिक सराहना मिली। इस रिपोर्ट के लिए एळश ईं१३ ने भी उन्हें सम्मानित किया था। सम्मान प्राप्त करने के बाद विनीत कुमार गुप्ता ने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि लखीमपुर खीरी की जनता के विश्वास, एळश ईं१३ की पूरी टीम, संपादकों, माता-पिता, परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें जनहित, निष्पक्षता और तथ्यपरक पत्रकारिता के प्रति और अधिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। आगे भी वे समाज से जुड़े मुद्दों को पूरी ईमानदारी और निर्भीकता से उठाते रहेंगे। उन्होंने समाचार4मीडिया, जूरी पैनल और आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। जिले के पत्रकारों और सामाजिक संगठनों ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे लखीमपुर खीरी के लिए गौरव का क्षण बताया।

प्रदेश अध्यक्ष व उपमुख्यमंत्री ने जिला संयोजक नवीन तोमर को सौंपा समरसता कलश

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। हापुड़ जनपद केधौलाना संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के 650वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत भाजपा के जिला मंत्री एवं अभियान के जिला संयोजक नवीन तोमर को वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में अभियान का प्रतीक समरसता कलश प्रदान कर सम्मानित किया गया। कलश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री की ओर से भेंट किया गया। नवीन तोमर ने बताया कि काशी स्थित संत रविदास महाराज की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर से प्रारंभ हुआ यह अभियान आगामी 20 फरवरी 2027 (रविदास जयंती) तक संचालित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में समरसता, समानता, सद्भाव और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। जिले के गांव-गांव तक पहुंचकर संत रविदास महाराज के विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें। इस अवसर पर अभियान के सहसंयोजक राजकुमार प्रधान, पूर्व जिला मंत्री प्रदीप तोमर, मंडल उपाध्यक्ष तथा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष आकाश तोमर सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

सावन पूर्णिमा पर भगवानपुर गंगा घाट पर आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी(बुलंदशहर)। सावन पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को भगवानपुर गंगा घाट पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही हजारों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने गंगा में पवित्र स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। गंगा स्नान के बाद महिलाओं ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की और कथा-श्रवण कर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए।

मान्यता है कि सावन पूर्णिमा पर गंगा स्नान और श्रद्धापूर्वक पूजा-पाठ करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के चलते दूर-दराज क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवानपुर गंगा घाट पहुंचे। हालांकि, इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद घाट पर सुरक्षा व्यवस्था नदारद दिखाई दी और कोई पुलिस या सुरक्षा कर्मी मौजूद नहीं मिला। वहीं, किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए भगवानपुर के गोताखोर पूरे समय गंगा किनारे तैनात रहे। गोताखोरों ने बताया कि यदि कोई श्रद्धालु गंगा में डूबने लगे या कोई दुर्घटना हो जाए तो तत्काल राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके, इसलिए वे पूरी सतर्कता के साथ मौजूद रहे।

आज से एक माह तक चलेगा ॐ नमः शिवाय जप

वेलकम इंडिया संवाददाता

लखनऊ। श्रावण मास के पावन अवसर पर अटेर गांव स्थित क्षेत्र के प्रसिद्ध सिद्धपीठ माँ बराही देवी मंदिर परिसर में गुरुवार से 30 दिवसीय अखंड 'ॐ नमः शिवाय' जप-कीर्तन महायज्ञ का भव्य शुभारंभ होगा। यह धार्मिक आयोजन पिछले 15 वर्षों से लगातार श्रद्धा, भक्ति और जनसहयोग से संपन्न होता आ रहा है, जिसमें क्षेत्र के साथ-साथ दूर-दराज से हजारों श्रद्धालु शामिल होकर भगवान शिव और माँ बराही का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

महायज्ञ का आयोजन अयोध्या धाम से पधारे परम पूज्य बाल स्वामी अवधेंद्र प्रपन्नाचार्य जी महाराज के पावन सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में होगा। आयोजन के दौरान प्रतिदिन चौबीस घंटे अखंड 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जप, भजन-कीर्तन, आरती, पूजन तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन प्रसाद वितरण एवं सत्संग की भी व्यवस्था रहती है।

मंदिर समिति के संरक्षक रमेश सिंह चौहान के संरक्षण तथा व्यवस्थापक गुड्डू सिंह के संयोजन में आयोजित इस महायज्ञ का शुभारंभ गुरुवार को होगा। महायज्ञ के अंतर्गत 9 अगस्त (रविवार) अपराह्न 3 बजे से निःशुल्क सामूहिक रुद्राभिषेक का विशेष आयोजन भी किया जाएगा।

इस दौरान श्रद्धालु वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित कर सकेंगे। इसके लिए मंदिर समिति ने पूर्व पंजीकरण कराने की अपील की है। मंदिर समिति ने क्षेत्रवासियों एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से परिवार सहित महायज्ञ में शामिल होकर धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को सुदृढ़ बनाने तथा भगवान शिव एवं माँ बाराही देवी का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है।

गुरु पूर्णिमा पर मन्दिरो में पहुंचे विधायक-चेयरमैन, गुरुजनों का किया सम्मान

जहांगीराबाद(वेलकम इंडिया)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर क्षेत्रीय विधायक संजय शर्मा ने गायत्री नगर स्थित गायत्री माता मंदिर पहुँचकर मंदिर के पुजारी का अंगवस्त्र भेंट कर एवं दक्षिणा देकर सम्मान किया। उपरांत, विधायक ने आहार क्षेत्र स्थित मां अवंतिका धाम पहुंचकर महानंद महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने गुरु परंपरा को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए गुरुजनों के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट किया। विधायक संजय शर्मा ने कहा कि 'गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा और संस्कार भी प्रदान करते हैं। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान भगवान से भी ऊँचा माना गया है। गुरु पूर्णिमा हमें अपने गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। समाज के निर्माण में गुरुजनों की भूमिका सदैव सर्वोपरि रही है।' वहीं नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष किशनपाल सिंह लोधी ने भी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर नगर के विभिन्न मंदिरों में पहुँचकर पुजारियों का अंगवस्त्र एवं दक्षिणा भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने सभी से गुरुजनों के आदर्शों का अनुसरण करने और समाज में सद्भाव, सेवा तथा संस्कारों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

गुरु पूर्णिमा पर दद्दा धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, भव्य धार्मिक अनुष्ठानों के बीच संपन्न हुआ ऐतिहासिक महोत्सव

वेलकम इंडिया संवाददाता

कटनी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध दद्दा धाम में भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

भव्य मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद आयोजित हुए इस पहले गुरु पूर्णिमा महोत्सव में देश-विदेश से हजारों गुरुभक्तों ने पहुंचकर ब्रह्मलीन परम पूज्य संत पंडित देव प्रभाकर शास्त्री 'दद्दा जी' एवं पूज्य गुरु माता कुंती देवी जी को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

महोत्सव में पूज्य बड़े भैया डॉ. अनिल प्रभाकर शास्त्री की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूरे दद्दा धाम परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, भक्ति संगीत और गुरु वंदना से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण, विशेष पूजन-अर्चन तथा महारुद्राभिषेक में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विश्व कल्याण की कामना की।

दोपहर में भव्य महाआरती के साथ महोत्सव अपने चरम पर पहुंचा, जिसके बाद विशाल भंडारे (महाप्रसाद) में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध राधे-राधे मंडल की मधुर भजन प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दर्शन, सुरक्षा, पार्किंग, पेयजल एवं अन्य व्यवस्थाओं के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

सैकड़ों स्वयंसेवकों ने पूरे आयोजन के दौरान सेवा कार्य संभालकर व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा। गुरु पूर्णिमा पर आयोजित यह भव्य महोत्सव श्रद्धा, सेवा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुपम संगम बन गया। दद्दा धाम में उमड़े विशाल जनसैलाब ने इस आयोजन को ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बना दिया।

नरौरा हजारा नहर में कूदी महिला को गोताखोरों ने बचाया, 4 किलोमीटर बहने के बाद सुरक्षित निकाला

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामघाट (बुलंदशहर)। थाना रामघाट क्षेत्र में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब एक महिला के नरौरा हजारा नहर में छलांग लगाने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही थाना रामघाट पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

पुलिस के अनुसार मंजू देवी (55 वर्ष), पत्नी विष्णु, निवासी नगला मोहन जुगसाना, थाना बलदेव, जनपद मथुरा, अपनी पुत्री रमा (25 वर्ष) के साथ नरौरा गंगा घाट पर स्नान करने आई थीं। इसी दौरान मंजू देवी अचानक अपनी बेटी को छोड़कर हजारा नहर में कूद गईं। तेज बहाव के कारण वह लगभग 4 किलोमीटर दूर ग्राम गोकुलपुर खादर तक बह गईं।

सूचना मिलते ही थाना रामघाट पुलिस तत्काल सक्रिय हुई। गोताखोरों की मदद से महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्राथमिक जांच में महिला पूरी तरह स्वस्थ पाई गई। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए महिला को उनकी पुत्री रमा के सुपुर्द कर दिया।

थानाध्यक्ष रामघाट देवेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी मोहित कुमार, अकबर, अंकुर, कप्तान सिंह एवं बृजदीप सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और गोताखोरों के सहयोग से महिला को सकुशल बाहर निकाल लिया। महिला के सुरक्षित मिलने और लगभग 4 किलोमीटर तक तेज बहाव में बहने के बावजूद सुरक्षित रहने की घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

जनसुनवाई में उठीं 37 समस्याएं, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

निर्माण कार्यों से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए छह माह की समयसीमा तय, अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

लखीमपुर खीरी। नगरवासियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को नगर पालिका परिषद कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने स्वयं मौजूद रहकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 37 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें निर्माण विभाग की 13, जलकल विभाग की 12, लाइट विभाग की 5, साफ-सफाई विभाग की 3, गृहकर एवं जलकर विभाग की 3 तथा अतिक्रमण विभाग की 1 शिकायत शामिल रही। लाइट विभाग से जुड़ी शिकायतों में स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और नए बल्ब लगाने की मांग प्रमुख रही। साफ-सफाई विभाग में मोहल्लों और पार्कों की नियमित सफाई, जबकि जलकल विभाग में पेयजल आपूर्ति, पाइपलाइन लीकेज, जलभराव, हैंडपंप मरम्मत और पाइपलाइन विस्तार से संबंधित समस्याएं सामने आईं। निर्माण विभाग में सड़क और नाली निर्माण, मरम्मत, सड़क ऊंची कराने तथा समतलीकरण की मांगें प्रमुख रहीं। इसके अलावा गृहकर एवं जलकर से जुड़े नामांतरण और कर संबंधी प्रकरण तथा अतिक्रमण हटाने की शिकायत भी दर्ज की गई। निर्माण विभाग की शिकायतों पर नगर पालिका अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि अधिकांश कार्यों में स्थल निरीक्षण, तकनीकी परीक्षण, आगणन तैयार करना, प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति तथा निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही निर्माण कार्य शुरू हो सकता है। इसलिए ऐसे मामलों के निस्तारण के लिए लगभग छह माह की समयसीमा निर्धारित की गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी औपचारिकताएं समयबद्ध तरीके से पूरी कराकर निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण कराया जाए।

डॉ. इरा श्रीवास्तव ने कहा कि नगरवासियों की समस्याओं का समाधान नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण कर उसका प्रभावी और पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक बुधवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे उनका शीघ्र एवं निष्पक्ष निस्तारण कराया जा सके।

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के गुजरात मे नजीबाबाद के हाशिम अहमद हुए सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बिजनौर। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के तत्वावधान में गुजरात के गांधीनगर स्थित उमिया फाउंडेशन सभागार में आयोजित भव्य राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर से हजारों पत्रकारों ने भाग लिया। इस अवसर पर पत्रकारों की सुरक्षा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और देशभर में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

कार्यक्रम के दौरान पत्रकार हितों की आवाज बुलंद करने और पत्रकार उत्पीड़न के मामलों में लगातार संघर्ष करने पर उत्तर प्रदेश के बिजनौर के जिला अध्यक्ष हाशिम अहमद को स्मृति चिन्ह एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया राष्ट्रीय अधिवेशन में गुजरात, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित अनेक राज्यों से आए पत्रकारों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

कार्यक्रम में गुजरात सरकार के कैबिनेट मंत्री कुंवर बावड़िया, राज्य मंत्री कांतिलाल अमरुतिया, विधायक धवल सिंह जाला, अरविंद पटेल, आम आदमी पार्टी गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष इशुदान गढ़वी, पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सिंह सोलंकी, कांग्रेस प्रवक्ता मनोहर पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिग्नेश कलावाड़िया ने कहा कि वर्तमान समय में देशभर में पत्रकारों पर बढ़ते हमले और उत्पीड़न गंभीर चिंता का विषय हैं।

पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ और समाज का आईना है, जो सरकार की बात जनता तक तथा जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करता है।

ऐसे में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देशभर में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किया जाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से जल्द से जल्द पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की तथा इस अभियान में सत्ता और विपक्ष दोनों से सहयोग की अपील की। कार्यक्रम को राष्ट्रीय महासचिव महफूज खान, राकेश परिहार, दिलशाद खान, सुनील चौधरी, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह, छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद शर्मा, गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष मयूरदान गढ़वी, मनमोहन सिंह, रईस अहमद राजस्थान, सारंगढ़ के जिला अध्यक्ष नरेश चौहान तथा बिजनौर के जिला अध्यक्ष हाशिम अहमद सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया। सभी ने पत्रकारों पर बढ़ रहे हमलों की कड़ी निंदा करते हुए केंद्र सरकार से पत्रकार सुरक्षा कानून को शीघ्र लागू करने की मांग दोहराई।

अधिवेशन में मौजूद विभिन्न दलों के नेताओं ने भी पत्रकारों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को विधानसभा और लोकसभा के पटल पर उठाने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के समापन पर देशभर से आए पत्रकारों ने एकजुट होकर पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान को और तेज करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मनीषा चौहान, किरण राजपूत बंगाल, बाबू लाल चौधरी सहित देश भर से पधारे हजारों की तादाद में पत्रकार शामिल रहे।

मजदूरी कर लौटे युवक पर फावड़े और लाठियों से हमला, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़। अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव उटरावली में मजदूरी कर घर लौटे एक युवक पर कथित तौर पर फावड़े और लाठियों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया, जिसे पुलिस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़िता विमलेश पत्नी धर्मेश्वर शर्मा द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, उनका पुत्र विजय 24 जुलाई की शाम करीब 5 बजे मजदूरी कर घर लौटा था। आरोप है कि उसी दौरान गांव के ही यदुवीर, रुचि तथा धर्मवीर पुत्र ईश्वरी प्रसाद ने फावड़े और लाठियों से हमला कर दिया। हमले में विजय गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। घटना की सूचना डायल-112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस बुलाकर स्थानीय लोगों की सहायता से घायल युवक को चारपाई के जरिए अस्पताल पहुंचाया। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस द्वारा तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है तथा जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

रालोद पार्टी के संसदीय बोर्ड का चेयरमैन बनाए जाने पर के.सी. त्यागी का किया गया भव्य स्वागत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर,(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद के.सी. त्यागी को पार्टी के संसदीय बोर्ड का चेयरमैन बनाए जाने पर मुरादनगर में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अनुज त्यागी (असालतपुर) के संयोजन में के.जी. रिसोर्ट, फ्रेंड्स कॉलोनी, मुरादनगर, जनपद गाजियाबाद में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर सुभाष त्यागी ने की और संचालन अरुण चौधरी भुल्लन, व शैलेन्द्र त्यागी ने सामूहिक रूप से किया समारोह में राष्ट्रीय लोकदल के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर के.सी. त्यागी का गर्मजोशी से स्वागत किया । के सी त्यागी जी ने कहा कि संसदीय बोर्ड का दायित्व पार्टी के

संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि के.सी. त्यागी के अनुभव, मार्गदर्शन और कुशल नेतृत्व से राष्ट्रीय लोकदल को संगठनात्मक स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी। जिलाध्यक्ष रामपाल सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा कि के.सी. त्यागी का लंबा राजनीतिक अनुभव और संगठन के प्रति समर्पण पार्टी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है। नई जिम्मेदारी मिलने से पार्टी संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी तथा कार्यकताओं में उत्साह का संचार होगा। इस अवसर पर सभी उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकताओं ने श्री के.सी. त्यागी जी को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। समारोह में पार्टी की नीतियों, संगठन के विस्तार और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर भी कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में सुरेंद्र त्यागी, अमरजीत सिंह बिड्डी, प्रदेश अध्यक्ष, सहकारिता प्रकोष्ठ, रामपाल चौधरी, जिला अध्यक्ष, टीआरएलडी के संयोजक अमरीश त्यागी' राष्ट्रीय लोकदल, चौधरी अरुण कुमार भुल्लन, प्रदीप मुखिया' ऋषिपाल सिंह' जुनैद चौधरी, हाजी तोहीद' रहीश कुरैशी' नीरज सहरावत' सतपाल सलेमाबाद, नीरज नवीपुर'आलोक चौधरी विधानसभा अध्यक्ष कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

समारोह में उपस्थित सभी नेताओं एवं कार्यकताओं ने राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व में पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त करने का संकल्प लिया।

बार एसोसिएशन मोदीनगर का चुनाव 30 जुलाई को

अध्यक्ष, सचिव और कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सीधा मुकाबला

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। बार एसोसिएशन मोदीनगर के सत्र 2026-27 के वार्षिक चुनाव गुरुवार, 30 जुलाई को तहसील परिसर स्थित बार भवन में आयोजित होंगे। चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए केंद्रीय चुनाव समिति ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मतदान, मतगणना और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। चुनाव समिति के अनुसार मतदान प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक होगा। इसके बाद 3 बजे से 4 बजे तक भोजनावकाश रहेगा, जबकि सायं 4 बजे से मतगणना शुरू होगी और परिणाम घोषित होने तक जारी रहेगी। इस बार चुनाव में अध्यक्ष, सचिव और कनिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर सीधा मुकाबला देखने को मिलेगा। अध्यक्ष पद के लिए रामकुमार चौधरी और भुवनेश्वर प्रसाद भारद्वाज, सचिव पद के लिए संजय मुद्गल और सौरभ शर्मा, जबकि कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए सचिन दीक्षित और अंकित शर्मा चुनाव मैदान में हैं। केंद्रीय चुनाव समिति ने सभी अधिवक्ताओं से चुनाव को भाईचारे, गरिमा और लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप संपन्न कराने की अपील की है। समिति ने स्पष्ट किया है कि मतदान केंद्र के भीतर मोबाइल फोन ले जाना, फोटोग्राफी करना तथा वीडियो रिकॉर्डिंग करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिवक्ता का मत निरस्त किया जा सकता है तथा बार एसोसिएशन की सदस्यता के संबंध में भी विचार किया जा सकता है। मतगणना को लेकर भी समिति ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यदि कोई प्रत्याशी स्वयं मतगणना के दौरान उपस्थित नहीं रहना चाहता है तो उसे पूर्व में लिखित रूप से अपने काउंटिंग एजेंट की नियुक्ति करनी होगी। बिना अनुमति किसी अन्य व्यक्ति को मतगणना स्थल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए पर्याप्त पुलिस बल के साथ महिला पुलिस कर्मियों की भी तैनाती की जाएगी। केंद्रीय चुनाव समिति ने सभी प्रत्याशियों एवं अधिवक्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए निष्पक्ष एवं सौहार्दपूर्ण चुनाव में सहयोग की अपील की।

हिंदू रक्षा दल के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। हिंदू रक्षा दल की एक बैठक आर्य समाज मंदिर में हुई। जिसमें हिंदू रक्षा दल के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए तथा हिंदू हित कार्य करने की शपथ ग्रहण कराई गई।

बैठक में विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष श्रीमती सपना अग्रवाल ने नगर अध्यक्ष वरुण भल्ला महामंत्री नितिन शर्मा नगर मंत्री ध्रुव मित्तल नगर उपाध्यक्ष संयम गोस्वामी मीडिया प्रभारी ऋषभ वर्मा व ब्लॉक अध्यक्ष भोजपुर बृजेश राठी शुभम राठी विधानसभा क्षेत्र मंत्री सतीश आशु व आकाश शर्मा सचिव तुषार को नियुक्ति पद दिए गए व सभी ने हिंदू हित कार्य करने की शपथ ग्रहण की। सभी को हिंदू हित के कार्य करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि अपने क्षेत्र में हिंदू हित के कार्य करने हैं। विधर्मी जहां भी हमारे भाइयों को परेशान करें उनका साथ देना है। साथ में रहे नीरज शर्मा विधानसभा क्षेत्र प्रभारी महामंत्री प्रदीप चौधरी विधानसभा उपाध्यक्ष संगीता रोहित सक्सेना व विधानसभा क्षेत्र मंत्री नरेंद्र सेन व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अवैध निर्माण पर जीडीए का बुलडोजर, अवंतिका में भवन ध्वस्त और महरौली की 6600 वर्ग गज अवैध कॉलोनी पर बड़ी कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने बुधवार को अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अवंतिका क्षेत्र में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत बने निर्माण को ध्वस्त कर सील कर दिया। वहीं ग्राम महरौली में लगभग 6600 वर्ग गज भूमि पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को भी बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया।

जीडीए के अनुसार अवंतिका स्थित सीडी-16ए भूखंड पर निर्माणकर्ता द्वारा स्वीकृत मानचित्र के विपरीत सेटबैक क्षेत्र में निर्माण किया गया था। पूर्व में कारण बताओ नोटिस और कार्य रोकने के नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर बुधवार को अतिरिक्त निर्माण को ध्वस्त कर भवन को सील कर दिया गया।

इसके अलावा ग्राम महरौली में महागुन ग्रुप हाउसिंग सोसायटी के निकट करीब 6600 वर्ग गज भूमि पर बिना स्वीकृति अवैध प्लाटिंग की तैयारी की जा रही थी। यहां मिट्टी भराई, कच्ची सड़क बनाकर एनएच-09 से जोड़ने और सीवर लाइन डालने की तैयारी चल रही थी। नोटिस के बावजूद निर्माण न रोकने पर जीडीए ने पूरे अवैध विकास कार्य को ध्वस्त कर दिया।

कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजर और निर्माणकताओं ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित रखते हुए ध्वस्तीकरण अभियान पूरा कराया। जीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आगामी माह में भी अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ ध्वस्तीकरण एवं सीलिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की कमी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि बागपत से सांसद डॉ राजकुमार सांगवान ने लोकसभा में नियम-377 के तहत ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की कमी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि विशेषकर उत्तर प्रदेश सहित देश के अनेक ग्रामीण इलाकों में डॉक्टरों की कमी के कारण लोगों को समय पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। सांसद डॉ राजकुमार सांगवान ने सदन में कहा कि विभिन्न मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य एवं पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों से प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी वर्षों से स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण सेवाएं दे रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी इन स्वास्थ्यकर्मियों ने स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में उल्लेखनीय योगदान दिया था। डॉ राजकुमार सांगवान ने केंद्र सरकार से मांग की कि प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की योग्यता, प्रशिक्षण एवं अनुभव का वैज्ञानिक मूल्यांकन कर उनके लिए स्पष्ट नियामक व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि डॉक्टरों की कमी वाले क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तथा अन्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उनकी योग्यता के अनुरूप सेवाएं देने का अवसर प्रदान किया जाए। रामपाल चौधरी के मुताबिक डॉ राजकुमार सांगवान ने इस विषय पर विशेषज्ञ समिति गठित कर शीघ्र व्यापक नीति तैयार करने का भी आग्रह किया। सांसद का कहना था कि इससे ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुदृढ़ होंगी तथा आमजन को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

हर बुधवार न्याय की ओर एक कदम' : गाजियाबाद पुलिस के वादी संवाद दिवस में 309 फरियादियों से सीधा संवाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने पुलिस आयुक्त के निर्देशन में बुधवार को सभी थानों पर 'वादी संवाद दिवस' आयोजित कर जनसुनवाई को नई मजबूती दी। कार्यक्रम के तहत विवेचनाधीन एफआईआर, एनसीआर एवं गुमशुदगी से जुड़े मामलों के वादियों को थानों पर बुलाकर उनकी शिकायतों की प्रगति से अवगत कराया गया और उनके सवालों का संतोषजनक उत्तर दिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वादी संवाद दिवस का उद्देश्य पुलिस और फरियादियों के बीच पारदर्शिता बढ़ाना, विश्वास कायम करना तथा न्याय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनाना है। संबंधित विवेचकों ने प्रत्येक वादी से व्यक्तिगत संवाद कर जांच की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में नगर जोन के 110, ट्रांस हिंडन जोन के 91 तथा ग्रामीण जोन के 108 वादियों ने भाग लिया। इस प्रकार पूरे कमिश्नरेट क्षेत्र में कुल 309 वादियों से संवाद स्थापित किया गया।

पुलिस आयुक्त के अनुसार यह जनकेन्द्रित पहल लोगों को उनके मामलों की समय पर जानकारी उपलब्ध कराने और पुलिस-जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस भविष्य में भी ऐसी जनहितकारी पहल जारी रखेगी।

7 करोड़ का मकान है मेरा... पुलिस को खरीद लूंगा – गाजियाबाद में पैसे की धौंस का वीडियो वायरल, कुत्ते को लेकर पड़ोसियों में विवाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के शास्त्री नगर में पालतू कुत्ते को लेकर दो पड़ोसियों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। आरोप है कि पड़ोसी द्वारा कुत्ते को डंडा मारने पर मकान मालिक भड़क गया और गाली-गलौज करते हुए कथित रूप से पैसे का रौब दिखाने लगा। वायरल वीडियो में वह यह कहते हुए सुनाई दे रहा है कि, '7 करोड़ का मकान है मेरा, पुलिस के मुंह में पैसे भर दूंगा।' इतना ही नहीं, शिकायत करने पर पुलिस को खरीद लेने जैसी धमकी देने का भी आरोप है।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामले को लेकर स्थानीय लोगों में चर्चा बनी हुई है।

हालांकि, पुलिस की ओर से अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। शिकायत मिलने पर पुलिस द्वारा जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है।

क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को निवोक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के पास बनेगी पुलिस चौकी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए निवोक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल परिसर के निकट नई पुलिस चौकी की आधारशिला रखी गई। अस्पताल प्रबंधन ने इसे जनसुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर समन्वय की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। इस अवसर पर डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी, एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा, एसएचओ निवाड़ी अंकित कुमार, थाना प्रभारी मोदीनगर आनंद मिश्रा तथा चौकी प्रभारी सौरभ कुमार सहित उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे। अस्पताल प्रबंधन ने सभी अधिकारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। निवोक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के चेयरमैन एडवोकेट अमित शर्मा ने कहा कि अस्पताल के निकट पुलिस चौकी स्थापित होने से मरीजों, तीमारदारों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को अधिक सुरक्षित वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं और कानून व्यवस्था के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पुलिस प्रशासन और अस्पताल के सहयोग से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा आमजन को इसका सीधा लाभ मिलेगा। अस्पताल प्रबंधन ने इस पहल को समाजहित में एक सकारात्मक कदम बताते हुए सभी संबंधित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

तहसील प्रशासन की टीम ने सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। तहसील प्रशासन की टीम ने बुधवार को ग्राम याकूतपर मूवी में सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया। उप जिलाधिकारी श्रीमती कोमल पवार के निदेशों के अनुपालन में बुधवार को ग्राम याकूतपर मूवी में गाटा संख्या 65 क्षेत्रफल 0.759 हेक्टर राजस्व अभिलेखों में राज्य सरकार की भूमि दर्ज है। जिस भूमि को राजस्व निरीक्षक मुलुंद्र शर्मा लेखपाल मयंक सिंह द्वारा कब्जा मुक्त कराया गया।

खुद हैं श्रवण बाधित, फिर भी 10 हजार दिव्यांगों की बनीं उम्मीद

ऋचा बल्लभ खुलबई ने 13 वर्षों में शिक्षा, रोजगार और सरकारी योजनाओं से जोड़कर बदली हजारों जिंदगियां

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा और जिला प्रशासन के सहयोग से गाजियाबाद की नीव शक्ति संस्था की संस्थापक ऋचा बल्लभ खुलबई ने दिव्यांग सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। पिछले 13 वर्षों में उन्होंने 10 हजार से अधिक दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं, शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। संस्था के माध्यम से हजारों पात्र दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, दिव्यांग प्रमाण-पत्र, पेंशन, अंत्योदय राशन कार्ड सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया गया है। मिशन समर्थ के तहत स्वरोजगार के लिए 'बिजनेस ऑन व्हील्स' तथा 'प्रोजेक्ट सक्षम' के माध्यम से निजी संस्थानों में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। देव भागीरथी लर्निंग सेंटर में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा, स्पीच थेरेपी, कंप्यूटर प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही है। ऋचा बल्लभ खुलबई का कहना है कि उनका उद्देश्य दिव्यांगजनों को दया का पात्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने योग्य बनाना है। उन्होंने इस अभियान में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ और जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान के सहयोग को महत्वपूर्ण बताया।

मिनी ट्रक से ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत, 10 लोग घायल

मोदीनगर गंग नहर पटरी मार्ग पर मंगलवार की रात्रि गांव आबूपुर के पास एक मिनी ट्रक से ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई ,एक दर्जन लोग घायल हो गए। मृतकों के नाम रतन पुत्र भजनलाल, रमेश पुत्र छोटेलाल सुरजीत पुत्र खुशीराम बताए गए हैं। यह सभी लोग राजस्थान के अलवर जिले के गांव कला गांव के थे। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह सभी लोग हरिद्वार गंगा स्नान के लिए जा रहे थे रात करीब 1:00 बजे मिनी ट्रक में ट्रक ने टक्कर मार दी, जिसके चलते उक्त तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची फंसे लोगों को जैसे तैसे करके बाहर निकाला।

सावन कांवड़ यात्रा: गाजियाबाद, मेरठ और मुजफ्फरनगर पुलिस ने संभाला मोर्चा, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

जे रविंद्र गौड- गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर

संजय कुमार वर्मा- एसएसपी मुजफ्फरनगर

अविनाश पांडे- एसएसपी मेरठ

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सावन माह की कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तीन प्रमुख जिलों-गाजियाबाद, मेरठ और मुजफ्फरनगर-का पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है।

30 जुलाई से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार और गोमुख से गंगाजल लेकर लाखों शिवभक्त इन जिलों से होकर दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान की ओर प्रस्थान करेंगे। इसी कारण इन तीनों जिलों को सुरक्षा की दृष्टि से सबसे संवेदनशील माना जाता है।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़, मेरठ के पुलिस प्रमुख अविनाश पांडे और मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा लगातार समीक्षा बैठकें कर रहे हैं।

तीनों जिलों की पुलिस ने आपसी समन्वय के साथ एक संयुक्त कार्ययोजना तैयार की है, ताकि यात्रा मार्ग पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

यात्रा मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। प्रमुख चौराहों, संवेदनशील स्थानों और कांवड़ मार्गों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी। इसके साथ ही अस्थायी पुलिस चौकियां, कंट्रोल रूम और क्विक रिस्पांस टीमें भी सक्रिय रहेंगी, जो 24 घंटे स्थिति पर नजर रखेंगी।

पुलिस प्रशासन का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना, अफवाह या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान भी लागू किया जाएगा, जिससे आम नागरिकों और कांवड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़े।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं और आम लोगों से भी सहयोग की अपील की है, ताकि आस्था का यह महापर्व पूरी श्रद्धा, सुरक्षा और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

कांवड़ मार्ग पर दर्दनाक हादसा: हरिद्वार जा रहे तीन श्रद्धालुओं की मौत, तीन घायल

सरजीत, रमेश फाइल फोटो

रतन फाइल फोटो

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मेरठ-मुजफ्फरनगर की ओर जाने वाले चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर मंगलवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में हरिद्वार जा रहे तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा निवाड़ी थाना क्षेत्र में रात करीब 12:40 बजे तेज रफ्तार बोलेरो और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर से हुआ।

सूचना मिलते ही एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा और निवाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बोलेरो में फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल भिजवाया। मृतकों की पहचान राजस्थान के अलवर जिले के कलगांव निवासी रमेश पुत्र छोटेलाल, रतन पुत्र भजनलाल और सरजीत पुत्र खुशीराम के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार बोलेरो पिकअप वाहन हाल ही में खरीदा गया था, जिसे श्रद्धालु हरिद्वार दर्शन और गंगा स्नान के लिए ले जा रहे थे। प्रारंभिक जांच में दोनों वाहनों की तेज रफ्तार हादसे का कारण मानी जा रही है। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए।

एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि ट्रक, उसके चालक और परिचालक को हिरासत में लेकर वाहन कब्जे में ले लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

गौरतलब है कि हादसा कांवड़ यात्रा के प्रमुख मार्ग चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी पर हुआ, जहां 29 जुलाई की सुबह से भारी वाहनों का डायवर्जन लागू होना था। डायवर्जन शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही यह दर्दनाक दुर्घटना हो गई। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

जनता दर्शन में डीएम का सख्त संदेश: शिकायतों का हो समयबद्ध निस्तारण, मिशन समर्थ से दिव्यांगों को मिलेगा रोजगार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद कलेक्ट्रेट में बुधवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने आमजन की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। कार्यक्रम में राजस्व, जीडीए, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य, निर्माण विभाग सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं।

जिलाधिकारी ने कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया, जबकि अन्य शिकायतों के संबंध में जूम के माध्यम से अधिकारियों से संपर्क कर समयबद्ध और संतोषजनक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का प्रभावी समाधान किया जाए।

जनसुनवाई के दौरान मिशन समर्थ योजना से जुड़ने के लिए कई दिव्यांगजनों ने आवेदन भी प्रस्तुत किए। इस पर जिलाधिकारी ने जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को निर्देशित किया कि पात्र दिव्यांगजनों को प्राथमिकता के आधार पर योजना से जोड़ते हुए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही अन्य पात्र दिव्यांगजनों से संपर्क कर उन्हें भी योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), सिटी मजिस्ट्रेट सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

डीसीपी धवल जायसवाल का निर्देश: रिकॉर्ड दुरुस्त रखें, हर फाइल का समय पर हो निस्तारण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नगर एवं ट्रांस हिंडन जोन की कार्यालयीन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से बुधवार को पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन श्री धवल जायसवाल ने दोनों जोन के सभी रीडरों के साथ गोष्ठी की। बैठक में रीडरों के दायित्वों, कार्यप्रणाली और अभिलेखों के रख-रखाव को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

डीसीपी ने निर्देश दिए कि सभी अभिलेख सुव्यवस्थित रखे जाएं, पत्रावलियों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक कार्य गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन कार्यों में अनुशासन, जवाबदेही और दक्षता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। बैठक के दौरान रीडरों को उनके दायित्वों के निर्वहन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए, ताकि पुलिस कार्यालयों की कार्यप्रणाली और अधिक सुचारु एवं प्रभावी बन सके।

इंदिरापुरम में पुलिस मुठभेड़ के बाद शातिर स्नैचर-लुटेरा गिरफ्तार, तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना इंदिरापुरम पुलिस ने मंगलवार को हिण्डन बैराज लोहे के पुल के पास चेकिंग के दौरान एक शातिर स्नैचर एवं लुटेरे को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध युवक को रुकने का इशारा करने पर वह बाइक मोड़कर भागने लगा, लेकिन फिसलकर गिर गया। इसके बाद उसने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी।

पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोटरसाइकिल, पीली धातु का एक टुकड़ा, एक अवैध तमंचा, तीन खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस (.315 बोर) बरामद किए हैं। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

रविदास जयंती पर भाजपा का समरसता संदेश, गाजियाबाद के 20 मंडलों में हुए विशेष कार्यक्रम

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी गाजियाबाद महानगर ने संत रविदास जयंती के अवसर पर महानगर के सभी 20 मंडलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में संत रविदास मंदिरों में पूजन-अर्चन, दीप प्रज्वलन तथा उनके जीवन और विचारों पर संगोष्ठियां आयोजित की गईं।

मयंक गोयल ने कहा कि संत गुरु रविदास ने सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की पहचान उसकी जाति नहीं, बल्कि उसके श्रेष्ठ कर्म और पवित्र आचरण से होती है। उन्होंने संत रविदास के प्रसिद्ध वचन 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का उल्लेख करते हुए कहा कि मन की पवित्रता ही ईश्वर प्राप्ति का सबसे बड़ा मार्ग है। साथ ही 'बेगमपुरा' की अवधारणा को सामाजिक समानता और भेदभाव रहित समाज का आदर्श बताया।

कार्यक्रम संयोजक राजन वाल्मीकि और वेद प्रकाश जाटव ने बताया कि सभी 20 मंडलों में स्थित संत रविदास मंदिरों में विशेष आयोजन किए गए, जिनमें भाजपा के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने भाग लेकर संत रविदास को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांवड़ यात्रा-2026: शिविरों का निरीक्षण, एकल विंडो से मिली एनओसी; सुरक्षा व्यवस्था पर एसीपी की पैनी नजर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को सहायक पुलिस आयुक्त, कोतवाली एवं अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने विभिन्न कांवड़ शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान शिविर संचालकों को एकल विंडो व्यवस्था के माध्यम से आवश्यक एनओसी प्रदान कर अनुमति उपलब्ध कराई गई।

निरीक्षण के दौरान सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने शिविर संचालकों से संवाद कर सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश दिए और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इसी क्रम में सहायक पुलिस आयुक्त उपासना पाण्डेय ने डीएन टेम्पल परिसर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा इंतजाम, भीड़ प्रबंधन एवं सुगम आवागमन की तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों व पुलिस कर्मियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा शांतिपूर्ण कांवड़ यात्रा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा, यातायात और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जा रही हैं।